नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 47 | नोएडा, मंगलवार, 17 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

‘हर अजनबी में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नज़र चाहिए।’



संक्षिप्त समाचार

160 साल पुरानी कोठी में शिफ्ट होंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 160 साल पुराने और पुनर्निर्मित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने जा रहे हैं। इस गेस्ट हाउस का नाम बदलकर गंगा रख दिया गया है। सोमवार को डीके शिवकुमार के घर का पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ, हिंदू परंपराओं और शास्त्रों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और विशेष पूजा करने के बाद इस हेरिटेज में प्रवेश किया। ये अनुष्ठान रविवार रात को शुरू हुए, जिसमें परिवार के सदस्यों ने तैयारियों में हिस्सा



लिया। यह समारोह कार्तिक महीने के एक शुभ समय पर आयोजित किया जा रहा है। पूजा और अन्य अनुष्ठान कराने वाले पुजारियों के दल का नेतृत्व नोनाविनाकेरे के संत अज्जैया कर रहे थे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इमारत के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। डीके शिवकुमार ने पूरी इमारत का जीर्णोद्धार इस तरह कराया है कि इसके मूल ऐतिहासिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे। 1880 में बनी यह दो मंजिला पत्थर की इमारत 14 एकड़ में फैली हुई है। इसमें 12 कमरे, एक बड़ा हॉल और एक रसोईघर है। इमारत के कमरों के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। यह इमारत मूल रूप से मैसूर के दीवान रहे सर के. शेषाद्रि अय्यर का निजी आवास था। भगवान कुमारस्वामी के परम भक्त होने के कारण उन्होंने इस आवास का नाम कृमार कृपा रखा था। बाद में मैसूर के महाराजाओं ने इस इमारत को खरीद लिया।

आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवाड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक



था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था।

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

ज्ञानेश कुमार से 48 सवाल पूछने के लिए कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा



जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआई कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा भी कई सारे सवाल हैं।

भारतीय सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

एयरफोर्स चीफ ने बताया,इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले

हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी हो रही जासूसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें



नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं।

सरकारी क्षेत्र, सेना की लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है। दीक्षित ने कहा कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर चुनने के बारे में सलाह देने के लिए एक एजेंसी भी काम कर रही है।

कंपनियों को दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। इससे ज्यादातर मामलों में साइबर सुरक्षा के खतरों से बचा जा सकता है।

भारत को बांटने की कोशिशें जारी, एकजुट रहें

मोहन भागवत बोले-अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही है साजिश

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।

अतीत के आक्रमण और शिक्षा- भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीएम मोदी आसियान समिट के लिए फिलीपींस पहुंचे

एयरपोर्ट पर फूल माला पहनाकर स्वागत,आज ट्रम्प से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के दौरे पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। दोनों नेता क्वाड देशों की बैठक में साथ बैठेंगे। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।



चीन के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा कर सकते हैं क्वाड देश- क्वाड में भारत,अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। मनीला में होने वाली यह बैठक करीब दो साल बाद चारों देशों के नेताओं की पहली आमने-सामने बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भी यह पहली क्वाड लीडर्स मीटिंग है। चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी इस बैठक में बात हो सकती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने मोदी को समिट में शामिल होने के लिए न्योता दिया है।

यूपी में ब्रेड से लेकर केक पेस्ट्री तक की होगी जांच

केमिकल और प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई



लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे।

यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर चलना होगा प्रियंका गांधी की अगुआई में पांच सदस्यीय टीम बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी



लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर बड़ा दावा किया है।

आराधना मिश्रा बोलीं-सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

बिलकिस बानो केस के 2 दोषियों की उम्रकैद निलंबित,सुप्रीम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी,कहा-दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में बिता चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिंया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी



बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया।



इलेक्ट्रिक वाहनों से भारत को हर साल होगी 9.6 लाख करोड़ की बचत, 2035 तक 40% घट सकता है तेल-गैस आयात बिल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ ऊर्जा को तेजी से बढ़ावा देना भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है। एक नए ऊर्जा विश्लेषण के मुताबिक, भारत अगर विद्युतीकरण की रफ्तार तेज करता है तो वित्त वर्ष 2035 तक जीवाश्म ईंधन के सालाना आयात बिल में 40 प्रतिशत से अधिक की कटौती कर सकता है। इससे देश को हर साल करीब 9.6 लाख करोड़ रुपये की संभावित बचत होगी। वहीं, 2045 तक प्रत्यक्ष जीवाश्म ईंधन आयात को शून्य तक लाने की संभावना जताई गई है।

जलवायु एवं ऊर्जा क्षेत्र की शोध संस्था क्लाइमेट कम्पैटिबल फ्यूचर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तेज विद्युतीकरण की स्थिति में 2035 तक कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और कोयले का सालाना आयात बिल घटकर 7.4 लाख करोड़ रुपये रह सकता है। इसके विपरीत मौजूदा रफ्तार जारी रहने पर यह बिल 17 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि तेजी से विद्युतीकरण होने पर 2035 तक देश की कुल ऊर्जा मांग में बिजली की हिस्सेदारी बढ़कर 54 प्रतिशत हो सकती है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह केवल 32 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इलेक्ट्रिक वाहनों से घटेगी तेल पर निर्भरता

रिपोर्ट के मुताबिक, परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, कारों, बसों और मालवाहक वाहनों को बढ़ावा देने से कच्चे तेल की मांग में बड़ी कमी लाई जा सकती है। इसके अलावा घरों, कृषि और उद्योगों में भी बिजली आधारित उपकरणों के इस्तेमाल को बढ़ाना होगा। ग्रीन हाइड्रोजन और जैव ऊर्जा भी इस बदलाव में अहम भूमिका निभाएंगे।

रिपोर्ट में भारतीय रेलवे के ब्रॉडगेज नेटवर्क के 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण और सितंबर 2026 में कुल वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की 13.11 प्रतिशत हिस्सेदारी का उल्लेख किया गया है। इस दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सालाना 84 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

2045 तक आयात निर्भरता खत्म करने की संभावना

संस्था के निदेशक डॉ. मनीष राम के अनुसार, भारत को विद्युतीकरण की दिशा में अपनी मौजूदा गति और तेज करने की जरूरत है। घरेलू स्तर पर उत्पादित बिजली से आयातित ईंधन की जगह लेने पर विदेशी मुद्रा की बचत होगी और रुपये पर दबाव भी कम होगा।

रिपोर्ट में स्वच्छ बिजली उत्पादन, बैटरी भंडारण, ट्रांसमिशन नेटवर्क और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने की सिफारिश की गई है। विश्लेषण के अनुसार, तेज विद्युतीकरण से 2045 तक भारत की ऊर्जा मांग का बड़ा हिस्सा बिजली, ग्रीन हाइड्रोजन और जैव ऊर्जा से पूरा किया जा सकेगा।

इस तरह इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा केवल प्रदूषण कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने का रास्ता भी बन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने रेल मंत्रालय को स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेल मंत्रालय को देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को साफ पानी, स्वच्छ शौचालय, सफाई, कचरा प्रबंधन, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने रेल मंत्रालय को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए सुझावों को भी लागू करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करते हुए देशभर के रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी याचिका का निपटारा किया। कोर्ट में यह याचिका कैग की रिपोर्ट के आधार पर दाखिल की गई थी, जिसमें यात्रियों को साफ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, सफाई, कचरा प्रबंधन, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। याचिका में कहा गया कि कैग ने 512 रेलवे स्टेशनों के सर्वे में से 458 स्टेशनों (89 प्रतिशत से अधिक) पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं जैसे पेयजल, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर, पंखे, वाटर कूलर और साइन बोर्ड में से एक या अधिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं।

कैग ने रिपोर्ट में कहा है कि यात्री सुविधा प्रबंधन प्रणाली के आंकड़ों से पुष्टि होती है कि ये कमियां विभिन्न स्टेशन श्रेणियों और रेलवे जोन में बनी हुई हैं। कैग ने कहा कि निरीक्षण किए गए रेलवे स्टेशनों में से महज लगभग 11 प्रतिशत ही न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं से युक्त पाए गए, 512 स्टेशनों में से केवल 54 स्टेशनों ने ही मानदंडों के अनुसार सभी न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं मौजूद थीं।

याचिका में कहा गया था कि रेलवे इन सुविधाओं को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि वास्तविक रूप से लागू किया जाए। इसके लिए समय-सीमा तय हो, स्टेशन की नियमित जांच हो और लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए।

सोमवार को मामले का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने रेल मंत्रालय को रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और कैग रिपोर्ट में दिए गए सुझावों का लागू करने को कहा।

थोक महंगाई दर अक्टूबर में 12 प्रतिशत के पार, ईंधन और बिजली की कीमतों में आया बड़ा उछाल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। थोक महंगाई दर अक्टूबर में सालाना आधार पर बढ़कर 12.29 प्रतिशत हो गई है, जो कि सितंबर 2026 में 11.39 प्रतिशत थी। इसकी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में सालाना आधार पर 32.84 प्रतिशत के उछाल को माना जा रहा है। इससे अक्टूबर 2026 के लिए सभी वस्तुओं का थोक महंगाई का सूचकांक बढ़कर 113.3 हो गया है, जबकि सितंबर 2026 में यह 112.5 था। यह जानकारी सोमवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। इससे पहले अक्टूबर 2026 में थोक महंगाई दर -1.18 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि अक्टूबर में प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन और बिजली और विनिर्मित वस्तुओं में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर क्रमशः 9.24 प्रतिशत, 32.84 प्रतिशत और 9.54 प्रतिशत थी। सितंबर में यह क्रमशः 8.67 प्रतिशत, 25.85 प्रतिशत और 9.76 प्रतिशत थी।

मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2026 में मिनरल ऑयल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, खाद्य वस्तुएं, मूल धातुओं का निर्माण, रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्माण, खाद्य उत्पादों का निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, कपड़ा निर्माण, और रबर तथा प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण जैसे समूहों ने थोक महंगाई को बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाई।

थोक खाद्य महंगाई दर (कुल थोक महंगाई में 24.99 प्रतिशत हिस्सेदारी) अक्टूबर 2026 में सालाना आधार पर 8.58 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि सितंबर 2026 में यह 8.66 प्रतिशत थी।

थोक खाद्य महंगाई सूचकांक में 'प्राथमिक वस्तुओं' के मुख्य समूह से 'खाद्य वस्तुएं' और 'विनिर्मित उत्पादों'के मुख्य समूह से 'खाद्य उत्पादों का विनिर्माण' शामिल हैं। इससे पहले शुक्रवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। भारत में खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में सालाना आधार पर बढ़कर 6.09 प्रतिशत (प्रोविजनल) हो गई है, यह सितंबर 2026 में दर्ज 5.54 प्रतिशत (फाइनल) के मुकाबले 0.55 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने बताया कि देश में अक्टूबर में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 6.63 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी इलाकों में यह 5.41 प्रतिशत रही है। अक्टूबर में खाद्य महंगाई दर में तेज बढ़ोतरी देखी गई है और यह सितंबर के 7.74 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 8.94 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस दौरान ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 9.09 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी इलाकों में यह 8.68 प्रतिशत पर थी।

बजट 2027-28 की तैयारी तेज, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों के साथ की पहली प्री-बजट बैठक

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आगामी केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियों के तहत देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री-बजट परामर्श बैठक की, जिसका उद्देश्य आगामी बजट के लिए विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त करना और आर्थिक प्राथमिकताओं पर व्यापक चर्चा करना था। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन तथा आर्थिक मामलों के विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय पहले से ही बजट 2027-28 के लिए विभिन्न उद्योग संगठनों और हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों की शृंखला चला रहा है। इन बैठकों का उद्देश्य उद्योग जगत, व्यापार समुदाय और आर्थिक विशेषज्ञों से सुझाव लेकर बजट को अधिक प्रभावी और विकासोन्मुख बनाना है।



हाल ही में उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने सरकार को सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) सुधारों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। संगठन का कहना है कि इन सुधारों से भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के कर अनुसंधान प्रकोष्ठ (टैक्स रिसर्च यूनिट) के साथ हुई बैठक में पीएचडीसीसीआई ने महत्वपूर्ण औद्योगिक कच्चे माल और ऊर्जा इनपुट पर लगने वाले शुल्कों को तर्कसंगत बनाने की मांग की। संगठन का कहना है कि इससे विनिर्माण लागत कम होगी, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, घरेलू मूल्य शृंखलाओं को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा।

अपने सुझावों में पीएचडीसीसीआई ने द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी), भारी पेट्रोलियम फीडस्टॉक और नेफ्था पर मूल सीमा शुल्क को मौजूदा 2.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही औद्योगिक विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोलियम कोक पर सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने की भी मांग की गई है।

उद्योग संगठन ने मार्च 2028 के बाद भी इस्पात स्क्रैप पर मौजूदा मूल सीमा शुल्क व्यवस्था जारी रखने की सिफारिश की है। उसका तर्क है कि ये उत्पाद ऊर्जा, उर्वरक, इस्पात, एल्युमीनियम, पेट्रोकेमिकल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, निर्माण, वस्त्र और इंजीनियरिंग जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों के लिए आवश्यक कच्चा माल हैं।

पीएचडीसीसीआई का मानना है कि कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क उत्पादन लागत, निवेश निर्णयों और उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को सीधे प्रभावित करते हैं। यदि शुल्क ढांचे को सरल और संतुलित बनाया जाता है, तो इससे आपस में जुड़े विनिर्माण क्षेत्रों में लागत दक्षता बढ़ेगी। संगठन ने बजट 2027-28 के लिए अपनी मांगों में एलएनजी, नेफ्था और कुछ अन्य भारी पेट्रोलियम फीडस्टॉक पर मूल सीमा शुल्क समाप्त करने की भी सिफारिश की है। साथ ही एल्युमीनियम उद्योग में उपयोग होने वाले पेट्रोलियम कोक पर शुल्क कम करने की मांग भी रखी गई है।

उत्तर प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है, इंडिया ब्लॉक मजबूत विकल्प पेश करेगा : खड़गे

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' मौजूद रहे। इस बैठक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गहन चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देंगे। प्रदेश की जनता परिवर्तन की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है।' उन्होंने आगे लिखा,



'मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत करेगी।' बैठक में हिस्सा लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि बैठक सफलतापूर्वक खत्म हो गई है। इस बैठक की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। वरिष्ठ नेता केसी. वेणुगोपाल, अजय माकन और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूरे अभियान को लेकर चर्चा हुई। हम लोग दिसंबर के पहले सप्ताह से हाई स्पीड कैंपेन की शुरुआत कर रहे हैं। हमारा संगठन निचले स्तर तक काफी मजबूत है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने सीट शेयरिंग के विषय पर कहा कि बैठक होनी है। इसके बाद ही सीट शेयरिंग का फॉर्मूला बताया जाएगा। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि बैठक हुई है और आगामी चुनाव को लेकर चर्चा हुई। हम लोगों ने चुनाव अभियान की रणनीति तैयार की है। दिसंबर माह के पहले सप्ताह से हम लोग पूरी तरह से चुनावी मोड में उतर जाएंगे। सीट शेयरिंग के फॉर्मूले को लेकर उन्होंने कहा कि आज सीटों को लेकर बैठक नहीं थी, और न ही इस पर चर्चा हुई। यह संगठन की बैठक थी। कितनी सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी, जब इस बारे में इमरान मसूद से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सवाल कितनी सीटों का नहीं है, सवाल हमारी जीत का है कि हम सब मिलकर जीत दर्ज करेंगे।

इंडी गठबंधन का भाजपा पर तंज, कहा-

'भाजपा में टिकट कटने का डर, कई नेता दूसरी पार्टियों के संपर्क में'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को लेकर दिए गए बयान का समर्थन करते हुए उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अब ओवैसी के कारनामों को जनता के सामने लाने का समय आ गया है। वहीं, भाजपा की 209 संभावित उम्मीदवारों की वायरल सूची को फर्जी बताए जाने पर भी उन्होंने पार्टी पर तंज कसा है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के कारनामों को जनता के सामने लाने का समय आ गया है।



भाजपा द्वारा 209 संभावित उम्मीदवारों की वायरल सूची को फर्जी बताए जाने पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब समुद्र में कोई जहाज डूबने लगता है, तो लोग अपनी जान बचाने के लिए उससे कूदकर भागने लगते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में कई पूर्व विधायक और कुछ मौजूदा विधायक लगातार दूसरी पार्टियों के संपर्क में हैं। कोई भी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर हारना नहीं चाहता। उनके इस बयान को आगामी चुनावों से पहले भाजपा में संभावित राजनीतिक असंतोष से जोड़कर देखा जा रहा है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'पूरे सम्मान के साथ मैं उनके लिए सिर्फ एक कहावत कहना चाहूंगा- उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।'

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति के समय उनका संगठन अंग्रेजों के साथ खड़ा था। ब्रिटिश सेना में भर्ती के लिए पत्र लिखे गए थे। वहीं, मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा की चुनावी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दल बैठकें करते हैं और रणनीति तैयार करते हैं। इसी क्रम में योगी आदित्यनाथ ने भी भाजपा की बैठक बुलाई है। क्रास्टो ने कहा कि भाजपा और योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में अपनी हार का एहसास हो गया है क्योंकि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन पहले से अधिक मजबूत हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुणे दौरे पर क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि वह अपने आधिकारिक दौरे पर आए हैं और उन्हें अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि देश के हित से जुड़े मुद्दों और कामों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

एआई से बच्चों के यौन शोषण की सामग्री में 8,400 फीसदी उछाल, डीपफेक बना ब्लैकमेल का नया हथियार

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग का शिकार मासूम बच्चे भी हो रहे हैं। बच्चों के ऑनलाइन यौन शोषण मामलों ने रफ्तार पकड़ ली है। अब अपराधी डीपफेक और 'न्यूडिफाई' ऐप के जरिए बच्चों की सामान्य तस्वीरों को अश्लील तस्वीरों में बदलकर उनका इस्तेमाल ब्लैकमेल और यौन उत्पीड़न के लिए कर रहे हैं। एक ताजा अध्ययन के मुताबिक, एआई से तैयार बाल यौन शोषण सामग्री में 8,400 फीसदी से अधिक (पिछले दो वर्षों के दौरान) की वृद्धि दर्ज की गई है। एडिनबर्ग स्थित चाइल्डलाइट-ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट के शोध में ये खौफनाक सच्चाई सामने आई। एआई से जुड़ी चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज की रिपोर्ट 2023 में लगभग 4,700 थी, जो 2025 में बढ़कर चार लाख से अधिक हो गई। अध्ययन में अमेरिकी नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन को तकनीकी कंपनियों की ओर से भेजी गई रिपोर्ट्स का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अपराधी एआई आधारित ऐसे ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनसे किसी बच्चे की सामान्य तस्वीर को कृत्रिम रूप से



अश्लील बनाया जा सकता है। तस्वीर वास्तविक न होने के बावजूद उसका इस्तेमाल बच्चे को डराने, पैसे मांगने या उससे और तस्वीरें हासिल करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह डीपफेक तकनीक बच्चों के लिए ऑनलाइन शोषण का नया माध्यम बनती जा रही है। द गार्जियन के मुताबिक, चाइल्डलाइट की वैश्विक डेटा निदेशक प्रोफेसर डेबी फ्राई ने कहा कि आंकड़े बच्चों के यौन शोषण के तेजी से बदलते स्वरूप को दर्शाते हैं। उन्होंने सरकारों और तकनीकी कंपनियों से इस खतरे को समझने, बेहतर आंकड़े जुटाने और रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की।

इस बीच, इंटरनेट वॉच फाउंडेशन (आईडब्ल्यूएफ) ने भी एआई से तैयार बाल यौन शोषण सामग्री में तेज वृद्धि की जानकारी दी है। संगठन के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में उसने ऐसी 6,310 तस्वीरों की जांच की, जो बच्चों के यौन शोषण से संबंधित कानूनी परिभाषा के दायरे में आती हैं। यह संख्या पूरे 2025 में दर्ज 4,512 तस्वीरों से लगभग 40 फीसदी अधिक है।

यूनिसेफ ने फरवरी 2026 में चेतावनी दी थी कि 11 देशों में किए गए एक अध्ययन के दौरान कम से कम 12 लाख बच्चों ने बताया कि पिछले एक वर्ष में उनकी तस्वीरों को यौन रूप से आपत्तिजनक डीपफेक में बदला गया। संगठन ने स्पष्ट किया कि एआई से बनाई गई ऐसी तस्वीरें भी बच्चों के शोषण का वास्तविक रूप हैं और इनके कारण पीड़ित बच्चों को गंभीर मानसिक और सामाजिक नुकसान पहुंच सकता है।

भारत की बात करें तो सरकार ने फरवरी 2026 में लागू आईटी नियमों के संशोधनों के तहत डीपफेक और एआई से तैयार बाल यौन शोषण सामग्री सहित अवैध सामग्री को हटाने के लिए सोशल मीडिया मध्यस्थों की जवाबदेही और सख्त की गई है। कुछ संवेदनशील सामग्री पर शिकायत मिलने के बाद उसे हटाने की समयसीमा दो घंटे निर्धारित की गई है।

धर्म आगे बढ़ने के लिए ताकत और कर्म उसका परिणाम देता है : नितिन नवीन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पटना में छठ महापर्व के आखिरी दिन ऊषा अर्घ्य के शुभ अवसर पर अपने आवास पर विधि-विधान और पूरी श्रद्धा के साथ छठी मैया की पूजा-अर्चना की तथा भगवान भास्कर को ऊषा अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया से सभी देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा छठ व्रतियों को महापर्व की शुभकामनाएं दी। नितिन नवीन ने कहा, 'मैं भास्कर और छठी मैया को प्रणाम करता हूं। उनके आशीर्वाद से ही हम चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन पर्व का सफलतापूर्वक समापन कर पाए। मैं देशवासियों और बिहारवासियों के लिए प्रार्थना करता हूं कि छठी मैया का आशीर्वाद हम सभी पर इसी प्रकार बना रहे और हम हर वर्ष इसी ऊर्जा और शक्ति के साथ इस महा अनुष्ठान को संपन्न कर सकें। आज बिहार का स्वच्छता, शुद्धता, पवित्रता और अनुशासन का संदेश पूरे देश और दुनिया तक पहुंच रहा है। बिहार का यह महापर्व उसकी कीर्ति और संस्कृति को पूरे विश्व में स्थापित कर रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मैं सभी बिहारवासियों और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरा देश विकास के साथ-साथ अपनी विरासत और संस्कृति को भी आगे बढ़ा रहा है। बिहार के इस महापर्व को हम उसके अनुशासन, शुद्धता, पवित्रता और स्वच्छता के संदेश के साथ हर वर्ष इसी शक्ति और ऊर्जा से मनाते रहें। मैं पुनः भगवान भास्कर और छठी मैया को प्रणाम करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि हम सभी को पूरे वर्ष इसी तरह काम करने की ऊर्जा मिलती रहे।

नितिन नवीन ने कहा, 'मैं मानता हूं कि जब भी भगवान की आराधना करें, तो पूरे विश्वास और सच्चे मन से करें। कर्म और धर्म दोनों अलग-अलग हैं। धर्म हमें आगे बढ़ने के लिए ताकत, ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण देता है, जबकि कर्म हमें उसका परिणाम देता है। इसलिए मैं मानता हूं कि हमने धर्म का पालन कर लिया है, अब कर्म करने का समय है।

राहुल गांधी पर भाजपा का आरोप

'भारत विरोधी शक्तियों को एकजुट कर रहे एलओपी, अराजकता फैलाने के लिए एंटी-भारत समिट'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाए हैं कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों को एकजुट करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने शनिवार को हैदराबाद में आयोजित 'भारत समिट' को 'एंटी-भारत समिट' करार दिया और कहा कि यह मंच प्रधानमंत्री के खिलाफ नफरत फैलाने और भारत को कमजोर करने के लिए लगाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों को एकजुट करने में लगे हैं। वे हर मंच से देश को बदनाम करने की साजिश और अराजकता फैलाकर भारत में अस्थिरता



लाने का काम कर रहे हैं। 'भारत समिट' का जिक्र करते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि यह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से आयोजित 'एंटी भारत समिट' था। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'देश के प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो 'गुजरात इन्वेस्टमेंट समिट' होता था, भाजपा शासित राज्यों में भी इन्वेस्टमेंट समिट होता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस शासित राज्य में भारत का हित पीछे छूट जाता है। जो मंच भारत और तेलंगाना के लिए मजबूती प्रदान कर सके, उसे भारत को कमजोर करने, प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करने और अराजकता फैलाने के लिए लगाया जा रहा है।' भाजपा प्रवक्ता ने 'भारत समिट' में आए इटली के नेता और यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के नारों का जिक्र किया। गौरव भाटिया ने कहा, 'दुर्भाग्य है कि भारतीय मंच से एक विदेशी भारतीय जनादेश को चुनौती देता है और उपहास उड़ाता है। जियाकोमो फिलिबेक ने मंच से 'वोट चोर-गद्दी छोड़' दिया। यह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन्हें रोकते नहीं हैं, बल्कि ताली बजाते हैं और हंसते हैं।' गौरव भाटिया ने आगे कहा, 'जब ये वीडियो किसी भारतीय ने देखा तो उसे बहुत ठेस लगी। शर्मिंदगी भी हुई कि हमारा नेता प्रतिपक्ष ऐसे विषय पर जो भारत की संप्रभुता से जुड़ा है, भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा है, चो ताली कैसे बजा सकता है और खुश कैसे हो सकता है?' उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया कि 'राहुल गांधी चुनाव हारते-हारते पीएम मोदी के लिए नफरत की आंधी में बहते जा रहे हैं। 99 चुनाव वे (राहुल गांधी) अपनी पार्टी को हरवा चुके हैं। ये कहीं न कहीं उनकी खीज, उनकी निराशा है जो निकल रही है। राहुल गांधी का एक ही मकसद है भारत को बदनाम करना।'

गौरव भाटिया ने कहा, 'कोई मंच हो, विदेशियों को बुलाओ, भारत के खिलाफ बयानबाजी करवाओ और इसे राहुल गांधी अपनी उपलब्धि समझते हैं। वे फिर से विदेशी दौरे पर निकल चुके हैं। वे हर बार विदेशी भूमि पर जाकर भारत के मजबूत लोकतंत्र पर झूठे और अनर्गल आरोप लगाते हैं। राहुल गांधी यहां तक अपील कर चुके हैं कि विदेशी शक्तियों को भारत के अंदरुनी मामलों में हस्तक्षेप करना चाहिए।'

संक्षिप्त डायरी

एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की आम सभा बैठक सेक्टर गामा दो स्थित उप-निबंधक कार्यालय परिसर में हुई। अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष कुलदीप भाटी एडवोकेट ने की, जबकि संचालन सचिव गिर्राज सिंह चपराना एडवोकेट ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से 17 सदस्यों की एल्डर कमेटी का गठन किया गया, जिसकी बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की निर्विरोध घोषणा की गई। नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र सिंह भाटी को अध्यक्ष, मोहित भाटी एवं रोहित शर्मा को उपाध्यक्ष, राज कुमार बैसला को सचिव, राजेश भाटी को सह सचिव,परवेज (गुड्डू) चौधरी को कोषाध्यक्ष, श्वेता सहाय सक्सेना को सांस्कृतिक सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रोहतास नागर, राष्ट्रीय संयोजक पद पर कुलदीप भाटी और विधिक सलाहकार पद पर गिर्राज चपराना का नाम घोषित किया गया है। इस मौके पर एल्डर कमेटी के सदस्य जगबीर सिंह बैसला, जयवीर सिंह भाटी, रामवीर नागर, नवीन चौधरी, अरुण जैन, सत्यवीर सिंह (प्रधान), पीयूष गुप्ता, मोनू रांधव, अरविन्द भाटी और देवेन्द्र सक्सेना सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेनो में यूपीसीडा के सेक्टरों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं को और अधिक बेहतर किया जाएगा। करीब 27.82 करोड़ रुपये की लागत से जरूरी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। दो सेक्टरों में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्लूडब्लूटीपी) का निर्माण किया जा रहा है, जो नए साल में चालू हो जाएगा। अधिकारी के मुताबिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र के तैयार होने से सेक्टर साइट - 5, साइट बी और निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (ईपीआईपी) के उद्यमियों के साथ-साथ आसपास की सोसाइटियों के निवासियों को भी राहत मिलेगी। औद्योगिक सेक्टर साइट-5 स्थित ईपीआईपी में डब्लूडब्लूटीपी न होने से गंदा पानी नालियों और सड़कों पर बहता रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए यहां 3.6 एमएलडी क्षमता का संयंत्र बनाया जा रहा है। इस पर 9 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही फुटपाथ का निर्माण भी कराया जाएगा। वहीं, सूरजपुर साइट-बी में 6 एमएलडी क्षमता का दूसरा संयंत्र बनाया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक काम हो गया है। नए साल तक दोनों संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य है। इनके चालू होने से औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी के निस्तारण में मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्रों में धूल प्रदूषण को कम करने के लिए साइट-बी और साइट-सी की मुख्य सड़कों के किनारे इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। टाइल्स लगने से सड़क किनारे मिट्टी और धूल फैलने पर रोक लगेगी। साथ ही व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी, जिससे सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने पड़ेंगे। इसके अलावा सैक्टर साइट-5 की जर्जर सड़कों को दोबारा बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अन्य विकास कार्य और पानी का पुनः उपयोग औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किया गया पानी पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसको पुनः उपयोग में लाने के लिए दो अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा सड़कों की मरम्मत, फुटपाथ समेत अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

भूखंड के नाम पर 48 लाख रुपये ऐंठे

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। भूखंड बेचने का झांसा देकर 48 लाख रुपये हड़पने और उसी जमीन का दूसरे व्यक्ति के नाम सौदा करने का मामला सामने आया है। फरीदाबाद के दो लोगों ने ग्रेटर नोएडा निवासी एक व्यक्ति को यमुना प्राधिकरण से आवंटित 230 वर्ग मीटर का भूखंड बेचने के नाम पर रकम ली, लेकिन न तो रजिस्ट्री कराई और न ही पैसे लौटाए। पीड़ित की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से सेक्टर-20 थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। तुस्याना गांव निवासी कपिल भाटी वर्ष 2025 में भूखंड खरीदने की तलाश में थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फरीदाबाद के बल्लभगढ़ स्थित तिरखा कॉलोनी निवासी कमलेश और संदीप भाटी से हुई। दोनों ने उन्हें नोएडा के सेक्टर-18 में बातचीत के लिए बुलाया। उन्हें बताया गया कि यमुना प्राधिकरण ने उनकी जमीन अधिग्रहित की थी। इसके बदले अछेजा गांव में 230 वर्ग मीटर का प्लॉट आवंटित हुआ है, जिसे वे बेचना चाहते हैं। 11 जुलाई 2025 को दोनों पक्षों के बीच 55 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद कपिल ने अलग-अलग किस्तों में आरोपियों को 48 लाख रुपये दे दिए। शेष रकम रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी।पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही भूखंड उसके नाम हो जाएगा, लेकिन आरोपियों ने तय समय बीतने के बाद भी बैनामा नहीं कराया। इसी बीच कपिल को जानकारी मिली कि जिस भूखंड के लिए उन्होंने लाखों रुपये दिए हैं, उसे आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है। इसके बाद उन्होंने दोनों से संपर्क कर अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि पैसे लौटाने के बजाय आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस लेनदेन और भूखंड के आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक और चाकू संग दो नाबालिग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। फेस-3 थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक पर सवार दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो चाकू बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम सेक्टर-71 के सर्विस रोड पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। एक की उम्र 15 जबकि दूसरे की उम्र 16 साल है। एक आरोपी बुलंदशहर का जबकि दूसरा गौतमबुद्धनगर का निवासी है। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। जांच में मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दो-तीन दिन पहले गाजियाबाद के चोरोपुर गांव से बाइक चोरी की थी। उसकी नंबर प्लेट तोड़कर फेंक दी थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है। दोनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया

अनप्लग इंडिया

नोएडा। विकास भवन सभागार में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाई गई। साथ ही महाराष्ट्र में आयोजित प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान सीडीओ भाल चंद्र त्रिपाठी ने भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान, संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को स्मरण करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराया। अन्य सरकारी कार्यालयों में भी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया गया।

निदेशक की नियुक्ति में अटका जीबीयू का एआई सेंटर, 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा

अनप्लग इंडिया

नोएडा। जीबीयू में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। निदेशक की नियुक्ति नहीं होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई सुविधाएं देने के उद्देश्य से गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। सेंटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसके शुभारंभ की तैयारी भी शुरू है, लेकिन निदेशक की नियुक्ति नहीं



होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। नतीजतन, करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस सेंटर का लाभ अभी तक विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नहीं मिल पा रहा है। 2024 में प्रदेश सरकार की ओर से बजट का एलान किया गया था। दो साल बीतने के बाद भी अब तक सेंटर शुरू नहीं हो सका है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां सुपर कंप्यूटर के साथ नई और पुरानी पीढ़ी के अत्याधुनिक कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट, शोध और नवाचार से जुड़ी गतिविधियां कर सकेंगे। हालांकि एक बार की प्रकिया हो चुकी है। उसमें योग्य डायरेक्टर नहीं मिल सका है। अब दूसरे चरण में फिर से डायरेक्टर की खोज शुरू की जाएगी। डायरेक्टर के मिलते ही दिसंबर में केंद्र के शुरू होने की योजना है। कुलसचिव प्रो. चंदर कुमार सिंह ने बताया कि डायरेक्टर की नियुक्ति की प्रकिया चल रही है। नियुक्ति होते ही एआई सेंटर शुरू हो जाएगा। रिसर्च और तकनीकी शिक्षा को मिलना था बढ़ावा एआई सेंटर शुरू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सुपर कंप्यूटिंग और आधुनिक तकनीकी शोध के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा शोधार्थियों को जटिल डाटा का विश्लेषण करने और नई तकनीक विकसित करने के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। इन प्रक्रियाओं में होगी आसानी इन लैब में छात्र विभिन्न टूल और तकनीक का प्रयोग कर सकेंगे।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता निभाएं अहम भूमिका: डॉ. अर्चना गुप्ता

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। रविवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने भाजपा गुरुग्राम महानगर के कार्यालय का उद्घाटन किया। जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हवन-यज्ञ में आहुति अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा संगठन की मजबूती और जनकल्याण की मंगलकामना की। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, निष्ठावान और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। कार्यकताओं के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण से ही पार्टी की विचारधारा तथा जनसेवा का संकल्प समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन गढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो के मंत्र को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद स्थापित करने को प्रेरित किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यालय केवल बैठकों और प्रशासनिक गतिविधियों का स्थान नहीं, बल्कि संगठनात्मक समन्वय, कार्यकताओं के बीच संवाद, विचार-विमर्श, योजना निर्माण और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय और जनसेवा भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक पहचान और संगठन की कार्य संस्कृति का मूल आधार है।

मुठभेड़ में दो गो-तस्कर ढेर, एक आरोपी व पुलिस कर्मी घायल

अनप्लग इंडिया

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार तड़के गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस व गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में दो आरोपियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य आरोपी और एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से सात गोवंशों को मुक्त कराने के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पिकअप गाड़ी और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सीएस स्टाफ की टीम गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कथित गो-तस्करों और पुलिस टीम के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी में तीन आरोपी घायल हो गए। पुलिस तीनों को उपचार के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान साबिर निवासी फोंदाबास बीवां और गब्बर उर्फ हाड़िया निवासी शालमपुर, राजस्थान की मौत हो गई। वहीं, ताहिर पुत्र अहमद निवासी घाटमीका, जिला डीग (राजस्थान) घायल है। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से राजस्थान नंबर की पिकअप गाड़ी बरामद की। पिकअप में सात गोवंश लदे हुए थे, जिन्हें पुलिस ने मुक्त कराया। इसके अलावा घटनास्थल से तीन देसी कट्टे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और पांच खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद पिकअप, गोवंश और हथियारों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी, घटनाक्रम और उससे जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का गो-तस्करी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं।

नौकरी की आड़ में धर्मांतरण कराने में लगी चार महिलाएं गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सेक्टर-56 की टीम ने गांव घाटा में रेड के दौरान चारों महिलाओं को मौके से काबू किया। सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) कपिल अहलावत ने रविवार को बताया कि मौके से एक सीसीटीवी कैमरा व एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान सुमन कुमारी (उम्र-21 वर्ष) पुत्री विनोद शाह निवासी कोसलपुरी आजादपुर दिल्ली, राजकुमारी चाओबा सिंह (उम्र-36 वर्ष) पुत्री राजकुमार चाओबा निवासी जिला विष्णुपुर मणिपुर (वर्तमान निवासी सेक्टर-86, गुरुग्राम), अशमिता चाहार (उम्र-35 वर्ष) पुत्री दलबहादुर निवासी नेपाल (वर्तमान निवासी कोटला दिल्ली) तथा ललनपुई (उम्र-31 वर्ष) पुत्री वी. ललपनलियाना निवासी आइजोल मिजोरम (वर्तमान निवासी द्वारका, दिल्ली) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 14 नवंबर 2026 को एक



व्यक्ति ने पुलिस थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम को शिकायत देकर कहा कि गांव घाटा में एसपीआर रोड स्थित सर्विस स्टेशन के नजदीक बनी झुग्गी-झोपड़ियों एवं कच्चे कमरों में कुछ अज्ञात व्यक्ति व महिलाएं गरीब परिवारों के छोटे बच्चों के लिए निजी पाठशाला संचालित कर रहे हैं। आरोप था कि बच्चों को खाने-पीने की वस्तुएं एवं अन्य जरूरी सामान वितरित करने के साथ-साथ धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उन लोगों द्वारा पाठशाला संचालित करके तथा खाने-पीने की वस्तुएं वितरित करके बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम द्वारा एसएचओ सुखपाल के नेतृत्व में एक रेडिंग पार्टी तैयार की गई। गांव घाटा स्थित बताए गए स्थान पर रेड की गई। पुलिस टीम को मौके पर चार महिलाएं मिलीं, जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपनी पहचान ललनपुई, अशमिता चाहार, राजकुमारी चाओबा सिंह एवं सुमन कुमारी के रूप में बताई। पुलिस टीम द्वारा चारों महिलाओं को काबू किया गया। शिकायत एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी महिलाओं के विरुद्ध धर्मांतरण के प्रयास से संबंधित अपराध पाए जाने पर थाना सेक्टर-56 में केस दर्ज किया गया। चारों आरोपित महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। एक महिला कंपनी में एचआर, एक लीड एनालिस्ट आरोपितों से पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपित ललनपुई एक निजी कंपनी में एचआर के पद पर कार्य करती है। अशमिता चाहार एक हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करती है। राजकुमारी चाओबा सिंह एक निजी कंपनी में लीड एनालिस्ट के पद पर कार्यरत है तथा आरोपित युवती सुमन ने गत वर्ष ही ग्रेजुएशन की है। वह अभी बीएड के लिए तैयारी कर रही है। पुलिस के अनुसार ये सभी महिलाएं करीब पिछले एक साल से शनिवार के दिन दिल्ली से गुरुग्राम में आकर बच्चों को शिक्षा व खाने-पीने की वस्तुएं देने के नाम पर निजी पाठशाला संचालित करते हुए उन्हें ईसाई धर्म अपनाने की प्रेरणा दे रही थीं। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से एक सीसीटीवी कैमरा तथा आरोपिता सुमन कुमारी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

जमानत पर बाहर आकर चेन लूट करने लगा बदमाश, मुठभेड़ के बाद साथी संग गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

नोएडा। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एक बदमाश जमानत पर जेल से बाहर आकर अपराध कर रहा था तो दूसरा पूर्व में मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा था। दोनों पर विभिन्न थानों में चोरी, लूट आदि के मुकदमें दर्ज हैं। बीटा-2 कोतवाली के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि रविवार देर रात कोतवाली पुलिस ढकिया बाबा गोल चक्कर के पास चेंकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवकों को रुकने का इशारा



किया लेकिन पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों की बाइक फिसल गई। गिरने के बाद दोनों ने पुलिस ने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। जिसमें दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। इस समय दीपू ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव और मोनू भंगेल में रह रहा था। दोनों के पास से चोरी की एक बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। मोनू चेन स्नेचिंग में जेल जा चुका है। इस समय जमानत पर जेल से बाहर चल रहा था। वहीं जून माह में मुठभेड़ के दौरान दीपू फरार हो गया था। तब उसका साथ राजेंद्र उर्फ लल्लू लूट की चेन के साथ गिरफ्तार हुआ था। उस पर 25 हजार का ईनाम घोषित था। दीपू पर 8 मुकदमें और मोनू पर 19 मुकदमें दर्ज हैं।

ओखला झील का पानी होगा साफ, नक्षत्र वाटिका भी स्थापित होगी; जल शक्ति मंत्री ने प्लांट का किया उद्घाटन

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। दिल्ली-नोएडा के बीच कालिंदी कुंज के पास यूपी सिंचाई विभाग की ओखला झील का पानी साफ होगा। इसके लिए सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिंचाई विभाग के परिसर में नक्षत्र वाटिका भी बनेगी। इस वाटिका में भी अलग-अलग नक्षत्रों के प्रतीक 27 प्रजातियों के पौधे मंत्री व विभाग के अधिकारियों ने लगाए। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। इसके संचालन से झील के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने, जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने

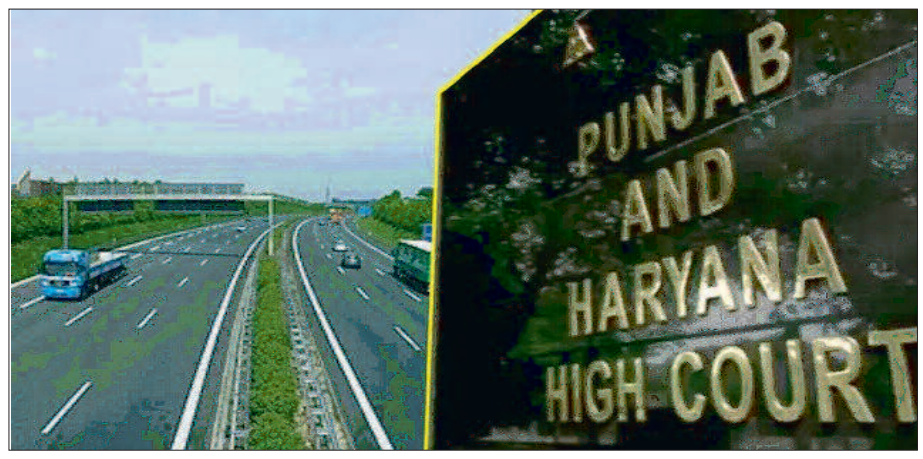


में सहायता मिलेगी। वहीं नक्षत्र वाटिका प्रकृति से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित परिसर के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री ने विभाग के अधिकारियों से जल संसाधनों के संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से जल शोधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, मुख्य अभियंता (सज्जा एवं सामग्री प्रबंधन) उपेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता, यमुना संगठन दिनेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन होगा

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी के नौ सेक्टरों में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पूर्व सामाजिक प्रभाव अध्ययन किया जाएगा। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक ने चएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक से अध्ययन करवाने का आग्रह किया है। इस अध्ययन के बाद भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। जमीन अधिग्रहण से पहले होगा सामाजिक प्रभाव अध्ययन सेक्टर-81 से लेकर सेक्टर-86 और सेक्टर-104 में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण को लेकर नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने सर्वे किया था। इस सर्वे में सामने आया था कि गांव गुड़गांव गांव,



धनवापुर, लखनौला, नवादा फतेहपुर, मानेसर, शिकोहपुर, सिकंदरपुर बढ़ा, सिंही, खेड़की दौला, बामडौली और बढ़ा में करीब 107 एकड़ जमीन की जरूरत थी। इसमें से 10.74 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की आवश्यकता है। बची जमीन पर बिल्डरों को ट्रांसफरेबल डिवेलपमेंट राइट्स (टीडीआर) जारी किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण करने से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन करना अनिवार्य है। ऐसे में इस अध्ययन की जिम्मेदारी एचएसआईआईडीसी को सौंपी गई है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन सेक्टरों का चयन हुआ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन सड़कों के अभाव के कारण सैकड़ों सोसाइटी और कॉलोनी निवासियों की असुविधाओं को देखते हुए जमीन अधिग्रहण करके निर्माण करने के आदेश जारी किए थे। सेक्टर-58 से लेकर सेक्टर-115 तक 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए करीब 1158 एकड़ जमीन की जरूरत है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन नौ सेक्टरों की जमीन का अधिग्रहण का फैसला हुआ है। सड़कों का निर्माण नहीं होने से लाखों परिवार परेशान इन सड़कों का निर्माण नहीं होने की वजह लाखों लोग परेशान हैं। सेक्टर-104 स्थित गोदरेज समिट सोसाइटी के निवासी बजरंग जैन ने बताया कि राजस्व रास्ते से आना-जाना पड़ता है। इसकी चौड़ाई कम है। गांववासी और आसपास लगती कॉलोनियों के निवासी भी इस रास्ते से आते-जाते हैं। ऐसे में इन सड़कों का निर्माण बहुत आवश्यक है। द्वारका एक्सप्रेसवे वेलफेयर एसोसिएशन के उप संयोजक सुनील सरीन के मुताबिक सड़कों के अभाव में द्वारका एक्सप्रेसवे पर विकसित सभी सेक्टरों में विकसित सोसाइटी और कॉलोनी के निवासी परेशान हैं। उन्हें आवागमन के लिए गांव के कच्चे रास्तों से निकलना पड़ता है। बारिश में तो स्थिति बदतर हो जाती है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत नौ सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के जमीन अधिग्रहण का चयन हुआ है। एचएसआईआईडीसी से सामाजिक प्रभाव अध्ययन करने का आग्रह किया है। इसके पश्चात सड़कों के अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

संपादकीय

चुनावी दंगल में प्रत्याशी की छवि बनेगी जीत का मूलाधार



भारतीय लोकतंत्र की नई प्रयोगशाला में अब मतदाता केवल पारंपरिक निष्ठाओं, काल्पनिक नारों और कागजी समीकरणों के भरोसे मतदान केंद्र तक नहीं जा रहा है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों की पुरानी जमा-घटाव वाली गणित अब थक चुकी है। मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि ही जीत-हार का निर्णायक मूलाधार बनने जा रही है। बीते दिनों उत्तर प्रदेश में हुए चुनावों के नतीजों ने इस सच्चाई को खुलकर सामने रख दिया जहां बनारस और लखनऊ जैसी प्रतिष्ठित सीटों पर उतारे गए प्रत्याशियों को किसी बाहरी तूफान ने नहीं बल्कि उनकी अपनी नकारात्मक छवि ने धूल चटाई है। इन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशियों की छवि को लेकर उठते सवालों, पार्टी के अहंकार की बू, जनता से कटे होने के आरोपों और विश्वसनीयता के संकट ने उस पारंपरिक वोट बैंक आहत किया था जिसे दल विशेष अपनी जागीर समझ बैठे हैं। बनारस और लखनऊ के ये परिणाम केवल स्थानीय हार नहीं हैं बल्कि उन तमाम रणनीतिकारों के मुंह पर करारा तमाचा है जो मानते थे कि बड़े नाम, भारी-भरकम अभियान या सत्ता के गलियारों की चमक के सहारे किसी को सिंहासन पर बैठाया जा सकता है। आज की राजनीति का सबसे बड़ा कैंसर वह सिद्धांतविहीन दलबदल संस्कृति है जिसने वर्षों से झंडा ढोने वाले, लाठी खाने वाले और बूथों पर पसीना बहाने वाले पुराने कार्यकर्ताओं की कमर तोड़ दी है। जब रातोंरात दल बदलने वाले अवसरवादियों को माला पहनाकर टिकट थमाया जाता है तब जमीन पर वर्षों मेहनत करने वाला निष्ठावान कार्यकर्ता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। उसकी यह नाराजगी किसी मंच से नारेबाजी बनकर नहीं निकलती बल्कि मतदान के दिन वह चुप्पी साधकर घर के भीतर से ही निकट विरोधी को समर्थन देकर अपनी पीड़ा का हिसाब चुकता करता है। आंकडे बताते हैं कि आगामी चुनावों में लगभग पंद्रह से बाईस प्रतिशत सीटों का भाग्य यही नाराज जमीनी कार्यकर्ता तय करेंगे। राजनैतिक दलों की असली वोटिंग मशीनरी तो उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है, न कि किराए पर लाई गई भीड़। जब वह कार्यकर्ता ही रूठा हो तो बड़े-बड़े रैलियों के आंकड़े और सोशल मीडिया के कृत्रिम ट्रेंड्स स्वमेव ही धूल चाटते दिखने लगते हैं। लोकतंत्र की जड़ों को दीमक की तरह चाटने वाले बहुबली, धनबली, अपराधबली और पहुंचबली तत्वों को टिकिट देना अब फैशन बन गया है। दलों के आकाओं को लगता है कि बाहुबल के प्रदर्शन, थैली की ताकत, आपराधिक रौब और राजधानी के गलियारों में बैठे सफेदपोश संरक्षकों तक पहुंच से चुनाव जीता जा सकता है। मतदाता अब इस दंभ को तोड़ने पर आमादा है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के सर्वेक्षण और जमीनी अनुमान के आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि जिन सीटों पर ऐसे तत्वों को उतारा जाएगा, वहां सत्ता विरोधी लहर से कहीं अधिक तीव्र प्रतिक्रिया प्रत्याशी के चरित्र, व्यवहार और अतीत के इतिहास के खिलाफ देखने को मिलेगी। आम आदमी अब बल की धौंस से डरने के बजाय मतदान के दिन ईवीएम का बटन दबाकर अपनी मूक शक्ति का प्रदर्शन का मन बना चुका है। धनबल के सहारे प्रचार का शोर तो खड़ा किया जा सकता है

अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस विशेष – युवा चेतना से ही बनेगा उज्ज्वल भविष्य



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक नई दिल्ली

विद्यार्थी किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। उनके भीतर भविष्य के सपने होते हैं, वर्तमान को समझने की जिज्ञासा होती है और व्यवस्था को बेहतर बनाने का साहस भी होता है। विद्यार्थी केवल पुस्तकों में लिखे पाठों को याद करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और परिस्थितियों को समझने वाला जागरूक नागरिक भी होता है। उसकी सोच में नए विचारों के बीज होते हैं और उसके संकल्प में आने वाले कल की संभावनाएँ छिपी होती हैं। इसी महत्त्व को रेखांकित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विद्यार्थियों के संघर्ष, साहस, अधिकारों, स्वतंत्रता और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है।

अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस का इतिहास अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायक है। इसकी पृष्ठभूमि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यूरोप में घटित उन घटनाओं से जुड़ी है, जब जर्मनी के नाजी शासन ने चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार कर लिया था। वर्ष 1939 में वहां के विद्यार्थी विदेशी शासन के विरोध में आवाज उठा रहे थे। 28 अक्टूबर को चेकोस्लोवाकिया की स्वतंत्रता की वर्षगांठ के अवसर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान युवा श्रमिक वाक्लाव सेद्लाचेक और चिकित्सा के विद्यार्थी जान ओप्लेताल घायल हुए। बाद में जान ओप्लेताल की मृत्यु हो गई। 15 नवंबर को उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। यह शोक यात्रा धीरे-धीरे नाजी शासन के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन में बदल गई।

विद्यार्थियों के इस साहस से भयभीत होकर नाजी शासन ने 17 नवंबर 1939 को कठोर दमनात्मक कार्रवाई की। प्राग और अन्य स्थानों के विद्यार्थी छात्रावासों तथा शिक्षण संस्थानों से गिरफ्तार किए गए। नौ विद्यार्थी नेताओं और शिक्षकों को बिना मुकदमे के मृत्युदंड दे दिया गया। एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को यातना शिविरों में भेज दिया गया और चेक विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया गया। यह घटना केवल विद्यार्थियों पर किया गया अत्याचार नहीं थी, बल्कि विचारों की स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और मानवीय गरिमा पर किया गया आघात भी थी। इन बलिदानों की स्मृति में 1941 में लंदन में 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। तब से यह दिन दुनिया भर में विद्यार्थी एकता और स्वतंत्रता के संघर्ष का प्रतीक बन गया।

इस दिवस का महत्त्व केवल इतिहास को याद करने तक सीमित नहीं है। यह हमें बताता है कि विद्यार्थी समाज के मूक दर्शक नहीं होते। जब अन्याय बढ़ता है, जब अधिकारों का हनन होता है और जब लोकतांत्रिक मूल्यों पर संकट आता है, तब विद्यार्थियों की जागरूकता समाज को नई दिशा दे सकती है। इतिहास में अनेक ऐसे अवसर आए हैं, जब विद्यार्थियों ने अपने साहस और संगठन शक्ति से बड़े सामाजिक तथा राजनीतिक बदलावों का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष 1973 में यूनान के विद्यार्थियों ने सैनिक शासन के विरुद्ध आवाज उठाई। वर्ष 1989 में प्राग में विद्यार्थियों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने वहां लोकतांत्रिक परिवर्तन की प्रक्रिया को गति दी। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि विद्यार्थी चेतना किसी भी दमनकारी व्यवस्था के सामने उम्मीद की किरण बन सकती है।

भारत के संदर्भ में विद्यार्थियों की भूमिका और भी व्यापक रही है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय योगदान दिया। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। अनेक विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया, जेल गए और यातनाएँ सहीं। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव और राजगुरु जैसे क्रांतिकारियों का जीवन युवाओं के साहस, देशप्रेम और त्याग की प्रेरक मिसाल है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि उम्र छोटी हो सकती है, लेकिन विचार और संकल्प कभी छोटे नहीं होते।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी विद्यार्थियों की भूमिका समाप्त नहीं हुई। देश के निर्माण, वैज्ञानिक अनुसंधान, सामाजिक सुधार, लोकतांत्रिक चेतना और सांस्कृतिक विकास में विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई है। भारत के अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, प्रशासक, साहित्यकार और समाजसेवी कभी विद्यार्थी ही थे। आज देश के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत लाखों युवा भारत की भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। उनकी प्रतिभा और परिश्रम का उचित उपयोग देश को ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

हालांकि आज का विद्यार्थी अनेक चुनौतियों से भी जूझ रहा है। शिक्षा का बढ़ता खर्च, महंगी पुस्तकें, निजी शिक्षण संस्थानों की भारी फीस, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव और रोजगार की अनिश्चितता उसके सामने गंभीर समस्याएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अब भी आसान नहीं है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को विवश हो जाते हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाती है। वह सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। एक शिक्षित विद्यार्थी अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझता है। वह समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वास, भेदभाव, जातिगत संकीर्णता और लैंगिक असमानता के विरुद्ध तार्किक दृष्टिकोण विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित कर देना उसके व्यापक उद्देश्य को कमजोर करना है।

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के सामने एक नई चुनौती सामाजिक संचार माध्यमों और आभासी दुनिया का बढ़ता प्रभाव भी है। सूचना और ज्ञान के अनेक साधन उपलब्ध होने के बावजूद भ्रामक समाचार, अफवाहें, दिखावे की संस्कृति और अनावश्यक प्रतिस्पर्धा विद्यार्थियों की एकाग्रता को प्रभावित कर रही हैं। कई बार वे अपनी वास्तविक प्रतिभा और रुचि को पहचानने के बजाय दूसरों की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने लगते हैं। ऐसे समय में उन्हें विवेकपूर्ण सोच, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। तकनीक का उपयोग ज्ञान अर्जित करने, नए कौशल सीखने और रचनात्मकता विकसित करने के लिए होना चाहिए, न कि समय और ऊर्जा नष्ट करने के लिए। विद्यार्थी जीवन अनुशासन, परिश्रम, धैर्य और निरंतर सीखने का समय है। इस अवस्था में विकसित आदतें व्यक्ति के पूरे जीवन को प्रभावित करती हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पाठ्य पुस्तकों के साथ साहित्य, इतिहास, विज्ञान और समसामयिक विषयों का भी अध्ययन करें। खेलकूद, कला, संगीत, सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसी गतिविधियों में भाग लें। इससे उनका व्यक्तित्व संतुलित और व्यापक बनेगा। उन्हें प्रश्न पूछने, तर्क करने और नए विचारों को स्वीकार करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। शिक्षक और अभिभावक भी विद्यार्थियों पर केवल अच्छे अंक लाने का दबाव डालने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और मानसिक आवश्यकताओं को समझें।

शिक्षा व्यवस्था की भी यह जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर प्रदान करे। आर्थिक स्थिति, जाति, भाषा, क्षेत्र और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी प्रतिभा को आगे बढ़ने से रोका नहीं जाना चाहिए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में ऐसा वातावरण होना चाहिए, जहां विद्यार्थी बिना भय के अपने विचार रख सकें। शिक्षण संस्थान केवल प्रमाणपत्र देने के केंद्र न बनें, बल्कि स्वतंत्र चिंतन, अनुसंधान, नवाचार और मानवीय मूल्यों के विकास के केंद्र बनें। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस हमें यह संदेश देता है कि विद्यार्थी केवल अपने परिवार का भविष्य नहीं, बल्कि राष्ट्र और मानवता की आशा भी हैं। उनकी आवाज में समाज को बदलने की शक्ति है और उनके विचारों में नई सभ्यता के निर्माण की संभावना है। लेकिन इस शक्ति का सकारात्मक उपयोग तभी संभव है, जब विद्यार्थी ज्ञान के साथ विवेक, अधिकारों के साथ जिम्मेदारी और महत्वाकांक्षा के साथ संवेदनशीलता को भी अपनाएं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विद्यार्थियों को केवल भविष्य का नागरिक न मानें, बल्कि वर्तमान का सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार भी समझें। उनकी समस्याओं को सुनें, उनकी प्रतिभा को अवसर दें और उनके प्रश्नों का सम्मान करें। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति उसके भवनों, सड़कों और आर्थिक आंकड़ों से ही नहीं, बल्कि उसकी युवा पीढ़ी की शिक्षा, सोच और चरित्र से भी मापी जाती है। 17 नवंबर का यह दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का दीपक कभी बुझना नहीं चाहिए और स्वतंत्र विचारों की आवाज कभी दबनी नहीं चाहिए। क्योंकि आज का जागरूक विद्यार्थी ही कल के सशक्त, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माता है।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत

-कांतिलाल मांडोत

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है। भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि



से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है।

दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है।

भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

ट्रम्प इफेक्ट से दुनिया में बढ़ रही अनिश्चितता, अमेरिका की नीतियों से भारत सहित कई देशों के सामने नई चुनौती

-कांतिलाल मांडोत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने दुनिया की राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। ट्रम्प की कार्यशैली अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों से काफी अलग दिखाई देती है। उनकी नीतियों में अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत सबसे ऊपर है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के हितों को प्राथमिकता मिले और दुनिया के दूसरे देश अमेरिकी शर्तों के अनुसार अपने फैसले करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी एक देश के हितों को सर्वोपरि रखकर वैश्विक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है? क्या अमेरिका की ताकत का अर्थ यह है कि वह जब चाहे दूसरे देशों के लिए नए नियम बना दे और उनसे उनका पालन करने की अपेक्षा करे?

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच भी अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकातों और बातचीत में कई बार आपसी मित्रता और सहयोग की बात सामने आई है। भारत ने अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी संयमित रुख अपनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत टकराव का रास्ता नहीं चुना। इसके बावजूद अमेरिका की नीतियों के कारण भारत को कई बार नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसका ताजा उदाहरण अमेरिकी कंपनी आईबीएम का फैसला है। आईबीएम ने अपने सबसे बड़े विभाग आईबीएम कंसल्टिंग में अधिकांश पदों के लिए अमेरिकी कार्य वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रायोजन प्रक्रिया बंद करने का निर्णय लिया है। इस विभाग में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। प्रभावित कर्मचारियों के सामने अमेरिका से बाहर स्थित आईबीएम कार्यालय में काम जारी रखने अथवा वर्ष के अंत तक कंपनी छोड़ने का विकल्प बताया गया है। हालांकि कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने कर्मचारी इस फैसले से प्रभावित होंगे। इसलिए डेढ़ लाख वीजा बंद होने या 40 हजार भारतीयों के प्रभावित होने के आंकड़े को निश्चित संख्या मानना उचित नहीं होगा।

यह फैसला भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता का विषय है। अमेरिका में भारत के हजारों प्रतिभाशाली युवा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एच-1बी वीजा के माध्यम से भारतीय विशेषज्ञों को अमेरिकी कंपनियों में रोजगार मिलता रहा है। अनेक भारतीयों ने अपनी मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी तकनीकी उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में सख्ती का असर केवल कर्मचारियों पर नहीं पड़ता, बल्कि कंपनियों की कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रतिभा के आदान-प्रदान पर भी पड़ता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति के बजाय अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अधिक अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी सरकार की अपनी रोजगार नीति हो सकती है। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि आधुनिक तकनीकी उद्योग केवल राष्ट्रीय सीमाओं के आधार पर नहीं चलता। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के विशेषज्ञों का योगदान रहता है।

आईबीएम का फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी प्रशासन विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पर अधिक निगरानी कर रहा है। अक्टूबर में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, टीसीएस और कॉग्निजेंट सहित कई कंपनियों की ग्रीन कार्ड संबंधी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया को भी अमेरिकी प्रशासन ने निलंबित किया था। इसके अतिरिक्त नए एच-1बी आवेदनों पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला भी विदेशी पेशेवरों और कंपनियों के लिए चिंता का कारण बना है।

ट्रम्प प्रशासन में स्टीफन मिलर की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्हें 6 नवंबर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया। वे लंबे समय से ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख समर्थक और रणनीतिकार रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद आव्रजन नीति में और सख्ती की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

भारत के सामने अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि वह अपने प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य और आर्थिक हितों की रक्षा कैसे करे। भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए भारतीय पेशेवरों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाना चाहिए। साथ ही कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर तलाशना समय की आवश्यकता है।

भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, शोध, नवाचार और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करना होगा। देश में ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी कि विदेशों में काम करने वाले प्रतिभाशाली युवा भारत लौटकर यहां भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए रोजगार, सम्मानजनक वेतन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। यह भी ध्यान रखना होगा कि अमेरिका और भारत के संबंध केवल वीजा या व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय जुड़े हैं। इसलिए किसी एक मुद्दे पर मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के संबंधों में दरार आ जाए। कूटनीति का रास्ता संवाद और आपसी सम्मान से निकलता है।

ट्रम्प को भी समझना होगा कि अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी शक्ति में दुनिया के दूसरे देशों की प्रतिभाओं का बड़ा योगदान है। विदेशी पेशेवरों के लिए रास्ते बंद करने से कुछ अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग भी प्रभावित हो सकता है।

दुनिया किसी एक देश के आदेश से नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वास, सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित होते हैं। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है,

सीएम नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में एचपीपीसी-एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक में 13 प्रस्तावों को हरी झंडी



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। पुलिस को मिलेंगी आधुनिक फोरेंसिक किट और 1500 एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को हरियाणा निवास में हुई हाई पावर्ड परचेज कमेटी (एचपीपीसी) तथा हाई पावर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में विभिन्न विभागों के लिए वस्तुओं की खरीद व निर्माण कार्यों के टेंडरों पर नैगोशिएशन उपरांत 231.68 करोड़ रुपये के कामों को सहमति प्रदान की गई। बैठक में वस्तुओं की खरीद हेतु 76.39 करोड़ रुपये के 7 मामलों तथा निर्माण कार्यों से संबंधित 155.29 करोड़ रुपये के 6 मामलों को हरी झंडी दी गई। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य तथा पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में हरियाणा पुलिस के लिए वर्कस्टेशन सहित 24 फोरेंसिक टूलकिट डिस्क फोरेंसिक टूल की आपूर्ति एवं स्थापना, वर्कस्टेशन सहित 24 मैग्नेट एक्जिओम विद क्लाउड डिस्क फोरेंसिक टूल की आपूर्ति एवं स्थापना, वर्कस्टेशन सहित 6 पासवर्ड डिक्रिप्टर, 12 पोर्टेबल वर्कस्टेशन किट, वर्कस्टेशन सहित 12 डीवीआर एग्जामिनेशन टूल की आपूर्ति एवं स्थापना तथा वर्कस्टेशन सहित 24 यूनिवर्सल फोरेंसिक एक्सटर्क्शन डिवाइस की आपूर्ति एवं स्थापना को हरी झंडी दी गई। इन उपकरणों की खरीद के बाद हरियाणा साइबर सिक्योरिटी के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा।

इनके अलावा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से एनसीआर क्षेत्र में 10 स्थानों पर कंटिन्यूअस एम्बियंट एयर क्वालिटी मोनिटरिंग स्टेशनों की स्थापना तथा अगले 5 साल तक इनके संचालन व मरम्मत कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इन उपकरणों की स्थापना के बाद एनसीआर में पीएम-2.5, पीएम-10 तथा सीओटू की सतत निगरानी की जा सकेगी।

इसी प्रकार बैठक में विभिन्न जिलों में वाहनों की नंबर प्लेट की पहचान के लिए पेट्रोल पंपों पर 1500 एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्नेशन) कैमरों की खरीद को भी हरी झंडी दी गई जिनके माध्यम से ऐसे वाहनों की पहचान की जा सकेगी जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण सर्टिफिकेट नहीं होंगे। ऐसे वाहनों की पहचान तथा अलर्ट मिलने के बाद इन्हें ईंधन नहीं मिलेगा।

इसी प्रकार एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक के दौरान पुलिस विभाग के लिए सिरसा की जिला जेल में 5 पुरुष बैरक, छोटी बैरक, नियंत्रण कक्ष, महिला बैरक, 3 वॉच टावर, मिट्टी भराई का कार्य, सड़कें, ट्यूबवेल, 2 मुख्य द्वार, चारदीवारी, 50 मकान, वर्षा जल संचयन प्रणाली तथा भूमिगत जल टैंक के निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई।

इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) के माध्यम से अंबाला छावनी स्थित गांव चांदपुरा में 100 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता वाले होम्योपैथिक कॉलेज तथा 25 बिस्तरों वाले अस्पताल के शेष निर्माण कार्यों, कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम गृह के निर्माण तथा नूंह के तावडू में न्यायिक परिसरों के निर्माण कार्यों के लिए भी टेंडर को स्वीकृति प्रदान की गई। इनके अलावा बैठक में जींद के गांव हैबतपुर स्थित संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत जी राजकीय मेडिकल कॉलेज के लिए विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण कार्य को भी सहमति दी गई।

विधायक जगमोहन आनंद ने सुनी सब्जी मंडी के व्यापारियों एवं करनालवासियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश



करनाल। जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, करनाल में विधायक श्री जगमोहन आनंद ने नई अनाज मंडी स्थित सब्जी मंडी के व्यापारियों एवं करनाल के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं, मांगों एवं सुझावों को विस्तारपूर्वक सुना। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों एवं शहरवासियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, व्यावहारिक कठिनाइयों तथा जनहित के विषयों को विधायक के समक्ष रखा। विधायक जगमोहन आनंद ने सभी की बातों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और धैर्य के साथ सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने सभी उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए जायज मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों के समक्ष उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि व्यापारी वर्ग किसी भी शहर की आर्थिक मजबूती और विकास की आधारशिला होता है। व्यापारियों की मेहनत से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलती है, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका भी जुड़ी होती है। इसलिए व्यापारियों के हितों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं का समाधान करना और उन्हें व्यापार के लिए बेहतर सुविधाएं एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेरा सदैव प्रयास रहा है कि करनाल के प्रत्येक परिवारजन और व्यापारी साथी की बात सुनी जाए तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। जनता के बीच रहकर उनकी अपेक्षाओं को समझना और उनके विश्वास पर खरा उतरना ही जनप्रतिनिधि के रूप में मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सीजेएम नेहा गुप्ता ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण



अनप्लग इंडिया

तावडू। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने सोमवार को वन स्टॉप सेंटर नूंह का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर में महिलाओं को उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न सेवाओं एवं सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया तथा सेंटर की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। सीजेएम नेहा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं कल्याण की दिशा में वन स्टॉप सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सेंटर के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को समय पर आवश्यक सहायता, मार्गदर्शन एवं परामर्श उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सेंटर ने जरूरतमंद एवं पीड़ित महिलाओं की समस्याओं के समाधान तथा उन्हें कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में सराहनीय योगदान दिया है। इस अवसर पर विधिवक्ता अशफाक अली ने बताया कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा सहायता, विधिक सहायता, पुलिस सहायता, मनो-सामाजिक परामर्श तथा अस्थायी आश्रय जैसी एकीकृत सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। इसका उद्देश्य हिंसा एवं उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं को तत्काल सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना है।

नीतियां कितनी भी श्रेष्ठ हों, जन-सहभागिता के बिना उनका प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं : हरविन्द्र कल्याण

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से उनके दायित्वों का समुचित निर्वहन करवाने के लिए नागरिकों का जागरूक होना आवश्यक है। नीतियां कितनी भी अच्छी क्यों न हों, उनका प्रभावी क्रियान्वयन जन-सहभागिता से ही संभव है। लोकतांत्रिक व्यवस्था तभी सशक्त होती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग हों। उन्होंने युवाओं से धैर्य, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। विधान सभा अध्यक्ष सोमवार को हरियाणा विधान सभा की ओर से आयोजित संविधान पखवाड़े के तहत 'हरियाणा युवा संवाद-2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 64 शिक्षण संस्थानों से 85 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें 50 छात्राएं शामिल थीं। युवा संसद की कार्यवाही के दौरान 45 प्रतिभागियों ने सत्ता पक्ष, 37 ने विपक्ष और तीन ने निर्दलीय विधायकों की भूमिका निभाई। संवाद का विषय 'पर्यावरण



संरक्षण और सतत विकास : संवैधानिक दायित्व एवं सामूहिक कार्रवाई को आगे बढ़ाना' रहा। इसके तहत प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग संबंधी बिंदुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक संस्था राजधानी युवा संसद के सहयोग से किया गया। संवाद की प्रतियोगिता में नकुल बिष्ट ने प्रथम, केशव राणा ने द्वितीय तथा कस्वी खुराना ने तृतीय स्थान हासिल किया। ये तीनों क्रमशः मुख्यमंत्री, कृषि एवं कल्याण मंत्री तथा निर्दलीय विधायक की भूमिका में थे। युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि युवाओं को पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। दोनों महान विभूतियों ने कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए अपने ज्ञान, परिश्रम और संकल्प से देश के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके जीवन से यह सीख मिलती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान पखवाड़े का उद्देश्य केवल संवैधानिक व्यवस्थाओं पर चर्चा करना नहीं, बल्कि समाज में संविधान के मूल्यों और नागरिकों के दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान किया है। इसमें प्रत्येक स्तर के जनप्रतिनिधियों के अधिकारों, दायित्वों और कर्तव्यों का निर्धारण किया गया है। आम नागरिकों को इन व्यवस्थाओं की जानकारी होगी, तभी वे अपने अधिकारों का सही उपयोग कर सकेंगे और जनप्रतिनिधियों को उनके दायित्वों के प्रति जवाबदेह बनाने में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने युवाओं से संविधान की भावना, विशेषताओं तथा संसदीय प्रणाली संबंधी जानकारी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का संकल्प इसी राह पर चलते हुए पूरा किया जा सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर उन्होंने कहा कि तकनीक हमारी क्षमताओं को बढ़ाने और कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम होनी चाहिए। इसका उपयोग विवेक और जिम्मेदारी के साथ किया जाना आवश्यक है। युवाओं को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए कि तकनीक उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने के बजाय भ्रमित न करे। उन्होंने कहा कि सूचनाओं के व्यापक प्रवाह के इस दौर में किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले तथ्यों की सत्यता परखना जरूरी है। गलत सूचनाओं और भ्रामक तथ्यों के आधार पर किसी भी प्रकार का नैरेटिव बनाने से बचना चाहिए।

समापन सत्र में विस अध्यक्ष के सलाहकार रामनारायण यादव ने संविधान निर्माताओं के प्रेरणास्पद प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों, ज्यूरी सदस्यों तथा विधान सभा अधिकारियों व कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजधानी युवा संसद की एडवोकेट ईशा कपूर और जय सैनी भी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छाई हरियाणा की चौपाल, हरियाणवी लोक संस्कृति बनी दर्शकों का आकर्षण

अनप्लग इंडिया

चण्डीगढ़। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा सरकार द्वारा बनाया गया हरियाणा पवेलियन इस बार दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पवेलियन में तैयार की गई पारंपरिक हरियाणवी चौपाल लोगों को खूब पसंद आ रही है। बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर सेल्फी ले रहे हैं और तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। हरियाणवी ग्रामीण जीवन की पहचान मानी जाने वाली चौपाल को उसके मूल स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है। यहां पहुंचते ही दर्शकों को गांव की सादगी, अपनापन और आपसी मेलजोल की परंपरा का अहसास होता है। यही कारण है कि बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस चौपाल पर होकर फोटो खिंचवाना नहीं भूलते।

संस्कृति की रंग-बिरंगी झलकियां

हरियाणा पवेलियन के निदेशक श्री अनिल चौधरी ने बताया कि चौपाल के अलावा हरियाणा



पवेलियन में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी अनेक झलकियां भी प्रदर्शित की गई हैं। इन्हें देखकर दर्शक हरियाणा की लोक-विरासत और जीवनशैली से रूबरू हो रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों से आए लोग भी इन झलकियों की सराहना कर रहे हैं और हरियाणवी संस्कृति को नजदीक से जानने-समझने में रुचि दिखा रहे हैं।

दर्शकों से मिल रही सराहना

हरियाणा पवेलियन में सेल्फी क्लिक करवा रही मधु ने बताया कि हरियाणा की बात हो और चौपाल न हो तो बात अधूरी रह जाती है। पूरे पवेलियन को बहुत ही सुंदर ढंग से बनाया गया है। चौपाल विशेष आकर्षण का केंद्र है, कोई पास से निकले तो खुद ही सेल्फी क्लिक करवाने का मन हो जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पवेलियन व्यापार के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त रूप से देश-दुनिया के सामने रख रहा है।

प्रदूषण पर प्रभावी रोक लगे, उद्योगों और श्रमिकों के हितों का भी ध्यान रखे सरकार : कुमारी सैलजा

अनप्लग इंडिया

चण्डीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा में प्रदूषण नियंत्रण मानकों के उल्लंघन को लेकर 151 औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के आदेशों संबंधी समाचार पर चिंता व्यक्त की है। सांसद ने कहा कि स्वच्छ हवा नागरिकों की बुनियादी जरूरत है। साथ ही, औद्योगिक गतिविधियों से जुड़े श्रमिकों की आजीविका और नियमों का पालन करने वाले उद्यमियों के हितों की सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रकाशित रिपोर्ट में प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों, ऑनलाइन निगरानी तथा आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने में कमियों का उल्लेख है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किन इकाइयों में वास्तविक उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन मिला और कहां दस्तावेजी अथवा तकनीकी कमियां रहीं। कार्रवाई प्रत्येक इकाई की जांच और उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर होनी चाहिए। सांसद ने कहा कि गंभीर प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। जहां कमियां निर्धारित अवधि में दूर की जा सकती हैं, वहां लागू नियमों के अनुरूप सुधार का अवसर और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। छोटे एवं मझोले उद्योगों को स्वच्छ तकनीक अपनाने, उपकरण स्थापित करने और निगरानी व्यवस्था सुधारने में सहायता दी जानी चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि औद्योगिक इकाइयां बंद होने का सीधा असर श्रमिकों, परिवहन सेवाओं और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। प्रशासन प्रभावित श्रमिकों की स्थिति का आकलन करे तथा उनके वेतन और रोजगार संबंधी हितों की सुरक्षा के लिए संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित करे। अनुपालन पूरा करने वाली इकाइयों के पुनः संचालन संबंधी प्रक्रिया भी स्पष्ट और समयबद्ध हो।

सांसद ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल उद्योगों या किसानों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। सड़क की धूल, खुले में कचरा जलाने, निर्माण गतिविधियों और वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर भी समान गंभीरता से काम किया जाए।

कुमारी सैलजा ने मांग की कि सरकार संबंधित विभागों, उद्योग प्रतिनिधियों और श्रमिक संगठनों के साथ समन्वय बनाकर स्थायी कार्ययोजना तैयार करे। निरीक्षण, कार्रवाई और सुधार की जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ रोजगार और औद्योगिक विकास भी सुरक्षित रह सके। सांसद कुमारी सैलजा ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर देश के सभी पत्रकारों एवं मीडियाकर्मियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

एनएचएम कर्मचारियों को भी दिया जाएगा स्वास्थ्य बीमा कवरेज : आरती सिंह राव

अनप्लग इंडिया

चण्डीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि अब राज्य सरकार द्वारा 'चिरायु-एक्सटेंशन' योजनाओं के तहत, 8812 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों (जो सेवा उप-नियमों के अंतर्गत आते हैं) को भी 'आयुष्मान भारत - हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा प्राधिकरण' के माध्यम से आयुष्मान भारत 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसके लिए कर्मचारी को मात्र 1500 रुपये प्रति वर्ष का शुल्क देना होगा। आरती सिंह राव ने बताया कि बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करके उनके इलाज पर होने वाले निजी खर्च को कम करना है। इसके तहत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के 'स्वास्थ्य लाभ पैकेज' में शामिल सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क के माध्यम से इनडोर इलाज और डे-केयर प्रक्रियाओं के लिए लाभ दिए जाएंगे। यह लाभ प्रति परिवार 1500 रुपये प्रति वर्ष के मामूली योगदान (पंजीकरण शुल्क सहित) के भुगतान के बाद प्राप्त किए जा सकेंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा के मिशन निदेशक डॉ. आर. एस. ढिल्लों ने बताया कि यह योजना पूरी



तरह से कैशलेस, पेपरलेस, पारदर्शी और डिजिटल है। इसके तहत आयुष्मान भारत 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के दिशानिर्देशों के अनुसार, पात्र लाभार्थियों को सभी सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है। डॉ ढिल्लो ने आगे बताया कि इसमें सर्जरी, मेडिकल और डे-केयर इलाज सहित लगभग 2200 तरह के उपचार शामिल हैं, जिनमें दवा और जांच (डायग्नोस्टिक्स) का खर्च भी जुड़ा है। उन्होंने बताया कि इलाज के खर्च में जांच, अस्पताल में भर्ती होने से 3 दिन पहले का खर्च और अस्पताल से छुट्टी मिलने के 15 दिन बाद तक का खर्च शामिल है। पहले से मौजूद सभी बीमारियां इस योजना के दायरे में आती हैं तथा पात्र लाभार्थी पूरे भारत में कहीं भी इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, क्योंकि इस योजना में 'नेशनल पोर्टेबिलिटी' की सुविधा है।

इस योजना के अंतर्गत जिला और राज्य दोनों स्तरों पर शिकायतों के निवारण के लिए एक विशेष व्यवस्था मौजूद है।

डॉ. ढिल्लों ने आगे कहा कि सभी संबंधित कर्मचारी आधिकारिक लाभार्थी पोर्टल https//beneficiary.nha.gov.in/ पर जाकर अपने और अपने परिवार के उन सदस्यों के लिए आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं, जिनके नाम 'फैमिली आईडी' में शामिल हैं। सभी संबंधित कर्मचारी अपने आयुष्मान कार्ड या तो खुद अपने जिले के स्तर पर डाउनलोड कर सकते हैं, या फिर सिविल अस्पतालों में मौजूद 'आयुष्मान मित्रों' की मदद से प्राप्त कर सकते हैं।

हरियाणा में 2,200 रुपए की रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार, इंतकाल दर्ज करने के मांगे थे 4,200 रुपए

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भिवानी जिले की तोशाम तहसील में तैनात एक पटवारी को 2,200 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी कृष्ण ने शिकायतकर्ता की जमीन का इंतकाल दर्ज करने और उसकी कॉपी उपलब्ध करवाने के बदले कुल 4,200 रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसमें से 2,000 रुपए वह पहले ही वसूल चुका था। इंतकाल की कॉपी देने के बदले मांगी थी रिश्वत प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एसवी एवं एसीबी के समक्ष शिकायत दर्ज करवाई थी कि तोशाम तहसील में तैनात पटवारी कृष्ण उसकी जमीन का इंतकाल दर्ज करने और उसकी कॉपी देने के एवज में 4,200 रुपए मांग रहा है। आरोपी पहले ही 2,000 रुपए ले चुका था और शेष 2,200 रुपए देने के लिए दबाव बना रहा था। शिकायत मिलने के बाद ब्यूरो की टीम ने मामले की जांच कर योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। निर्धारित योजना के अनुसार शिकायतकर्ता को शेष राशि देने के लिए भेजा गया। जैसे ही पटवारी कृष्ण ने 2,200 रुपए की रिश्वत ली, एसवी एवं एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज

इस मामले में थाना एसवी एवं एसीबी हिसार में एफआईआर नंबर 46, दिनांक 16 नवंबर 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रैप की कार्रवाई इंस्पेक्टर जगजीत सिंह के नेतृत्व में एसवी एवं एसीबी यूनिट भिवानी की टीम ने की। कार्रवाई के दौरान राजपत्रित अधिकारी के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भिवानी के एसडीओ संजय मक्कड़ मौजूद रहे।

संस्थाओं का दुरुपयोग कर जनता के अधिकारों का हनन कर रहा है भाजपा सरकार : संजय दत्त

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा के तावडू क्षेत्र में 'वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान के तहत सोमवार को एक विशाल चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी संजय दत्त, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, एआईसीसी पर्यवेक्षक रोहित चौधरी, रोहतक से विधायक एवं गुरुग्राम जिला पर्यवेक्षक भारत भूषण बतरा, गुरुग्राम ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया, महिला कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव सुनीता सहरावत, पीसीसी सदस्य पंकज भारद्वाज एवं ब्लॉक अध्यक्ष रज्जू चेयरमैन सहित कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में शिरकत की। चौपाल का आयोजन युवा नेता शाहीन सैम्स द्वारा किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य जनता को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना और वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करना रहा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने एक स्वर में मौजूदा राजनीतिक माहौल पर चिंता व्यक्त करते हुए जनता से एकजुट होकर लोकतंत्र को बचाने का आह्वान किया। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी



संजय दत्त ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश का संविधान और लोकतांत्रिक ढांचा खतरे में है। जिस प्रकार से संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और आम जनता के अधिकारों का हनन हो रहा है, उसके खिलाफ हर नागरिक को खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह वोट बचाओ देश बचाओ अभियान सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के भविष्य को सुरक्षित रखने की एक बड़ी मुहिम है। उन्होंने संकल्प लिया कि वे देश के संविधान, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए किसी भी संघर्ष से पीछे नहीं हटेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का युवा, किसान, मजदूर और व्यापारी वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार का ध्यान इन बुनियादी मुद्दों से भटका हुआ है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर वर्ग के हक की लड़ाई सडक़ से लेकर सदन तक पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। इस सफल आयोजन ने एक बार फिर हरियाणा के राजनीतिक गलियारों में यह संदेश दे दिया है कि कांग्रेस पार्टी राज्य में पूरी तरह सक्रिय है और जनता के मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख अपनाने के लिए तैयार है। चौपाल के समापन के बाद नेताओं ने स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पर्यवेक्षक रोहित चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अब घर-घर जाकर जनता को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि तावडू की इस चौपाल में उमड़ी भीड़ इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जनता अब बदलाव चाहती है और कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर भरोसा कर रही है। जिला पर्यवेक्षक एवं विधायक भारत भूषण बतरा ने रोहतक और गुरुग्राम जिलों के संगठनात्मक ढांचे पर बात करते हुए कार्यकर्ताओं से आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि हमें देश और लोकतंत्र को बचाना है, तो सबसे पहले अपने मत (वोट) की ताकत को पहचानना होगा और उसके सही इस्तेमाल के प्रति सजग रहना होगा। ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि भाजपा शासन में न केवल हरियाणा, अपितु पूरे देश की जनता परेशान हैं। कांग्रेस ने एसआईआर का मुद्दा उठाकर भाजपा की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। अब भाजपा तिलमिला रही है। कोई और मुद्दा नहीं मिल रहा है। भाजपाई बौखलाकर उलटा सीधा बयान देकर चर्चा में बने रहना चाहते हैं। कार्यक्रम के आयोजक युवा नेता शाहीन सैम्स ने स्थानीय जनता का आभार व्यक्त करते हुए तावडू क्षेत्र की उपेक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हैं और आम आदमी को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य है कि तावडू में हर वोट सुरक्षित हो, हर मतदाता का सम्मान हो और चुनाव आयोग राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कार्य करे। ब्लॉक अध्यक्ष रज्जू चेयरमैन ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है और लोग पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वोट बचाओ-देश बचाओ चौपाल अभियान का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट है।

संक्षिप्त डायरी

बरेली में आग तापते समय अलाव में गिरकर झुलसा राजमिस्त्री, इलाज के दौरान मौत

अनप्लग इंडिया

बरेली। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में आग से झुलसे राजमिस्त्री की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह नशे की हालत में अलाव में गिर गए थे। गंभीर रूप से झुलसने पर परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनइया रानी गांव में रविवार शाम आग तापते समय झुलसे 45 वर्षीय आकिल की सोमवार तड़के जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजन के मुताबिक, आकिल नशे की हालत में अलाव में गिर गए थे। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक के भतीजे मोइन खान ने बताया कि रविवार शाम आकिल घर के बाहर आग जलाकर ताप रहे थे। इसी दौरान नशे की हालत में अचानक वह आग में गिर गए। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के करीब चार बजे उनकी मौत हो गई। आकिल राजमिस्त्री का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी व चार बच्चे हैं। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन के अनुसार, आकिल कई वर्षों से शराब समेत अन्य नशे के आदी थे। नशा छोड़ने के लिए परिवार के लोग उन्हें कई बार समझाते थे, लेकिन वह नहीं मानते थे। भतीजे ने बताया कि नशे के लिए रुपये मांगने को लेकर अक्सर घर में विवाद भी होता था। कई बार आकिल घर का सामान तक बेच देते थे।

डीएम अविनाश सिंह ने परिवार और स्टाफ के साथ की स्वगणना, जनगणना-2027 का शुभारंभ

एजेंसी

बरेली। जनगणना-2027 के तहत स्वगणना की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। डीएम ने अपने परिवार और स्टाफ के साथ स्वगणना कर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने आमजन से स्वगणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने और सही जानकारी दर्ज करने की अपील की। बरेली में जनगणना-2027 के तहत सोमवार से स्वगणना अभियान शुरू हो गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपने कैंप कार्यालय में परिवार और समस्त स्टाफ के साथ स्वगणना कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं और अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान डीएम ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास और भविष्य की योजनाओं का आधार है। इससे जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के बेहतर नियोजन और विकास की प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि स्वगणना की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने और परिवार के सदस्यों की सही एवं सटीक जानकारी दर्ज करें। डीएम ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान की सफलता प्रत्येक नागरिक की भागीदारी पर निर्भर करती है। लोग स्वयं स्वगणना करने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना में भागीदारी कर सकें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह सहित कैंप कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

वीडीए सचिव समेत कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले, इन्हें मिली नई जिम्मेदारी

अनप्लग इंडिया

वाराणसी । वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव समेत कई अहम पदों पर फेरबदल किया गया है। तीन अपर आयुक्त और एडीएम प्रोटोकॉल बदले गए हैं। वीडीए के सचिव रहे वेद प्रकाश मिश्रा को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सीनियर पीसीएस अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। इस सूची में वाराणसी से जुड़े कई महत्वपूर्ण पद भी शामिल हैं, जिनमें वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के सचिव, तीन अपर आयुक्त और अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) के पद पर बदलाव हुए हैं। वीडीए सचिवः वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव पद पर विवेक कुमार मिश्रा को नई जिम्मेदारी दी गई है। वह गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पद से स्थानांतरित होकर वाराणसी आए हैं। वहीं, वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव रहे वेद प्रकाश मिश्रा को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। अपर आयुक्तः वाराणसी मंडल में तीन अपर आयुक्तों का तबादला हुआ है। ज्योति सिंह को अमेठी से अपर जिलाधिकारी के पद से स्थानांतरित कर वाराणसी मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है। जबकि, वाराणसी मंडल के अपर आयुक्त सुनंदू सुधाकरन को बस्ती का अपर जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह, वाराणसी मंडल के एक अन्य अपर आयुक्त आलोक कुमार वर्मा को अयोध्या विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल): वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) के पद पर भी बदलाव हुआ है। सहारनपुर के नगर मैजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह को वाराणसी का नया अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) बनाया गया है। इस पद पर कार्यरत विनय कुमार सिंह-2 को मेरठ विकास प्राधिकरण का सचिव नियुक्त किया गया है।

रोपवे के तीन स्टेशन तैयार, गोदौलिया और गिरजाघर में काम बाकी; दिसंबर से सेवा शुरू होने की उम्मीद

अनप्लग इंडिया

वाराणसी । वाराणसी में रोपवे की सेवा दिसंबर से यात्रियों के लिए शुरू होने की उम्मीद है। तीन स्टेशन तैयार हो गए हैं। जबकि गोदौलिया और गिरजाघर में काम बाकी है। सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताएं अहम हैं। कैंट-गोदौलिया रोपवे परियोजना के तहत कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। वहीं, गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर अभी काम बाकी है। 3.85 किलोमीटर लंबे रोपवे कॉरिडोर के तीन स्टेशन तैयार होने के बाद अब शेष कार्यों को पूरा करने पर जोर है। परियोजना का निर्माण पूरा होने और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दिसंबर से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत कुल पांच स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। परियोजना की कुल लंबाई 3.85 किलोमीटर है। इसमें 29 टावर लगाए गए हैं और 148 गंडोला केबिन के जरिये यात्रियों को सफर कराने की योजना है। दिसंबर से यात्रियों के लिए सेवा शुरू करने की उम्मीद जताई जा रही है। रोपवे शुरू होने के बाद कैंट से गोदौलिया तक का सफर करीब 16 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है। इससे शहर के व्यस्ततम मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने और पर्यटकों को आवागमन का एक वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अब शहरवासियों को रोपवे के शेष कार्य पूरे होने और संचालन की आधिकारिक तारीख घोषित होने का इंतजार है।

चार मीटर चौड़ी सड़क पर बनी थी पांच मंजिला इमारत, आग बुझाने में आई मुश्किल

अनप्लग इंडिया

कानपुर। कानपुर के राधिका अपार्टमेंट में लगी भीषण आग से दो लोगों की जान चली गई। जबकि दो लोग झुलस गए। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट में आग लगने की घटना ने इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब चार मीटर चौड़ी सड़क पर बनी पांच से छह मंजिला इमारत में आग बुझाने और राहत-बचाव कार्य में दमकल टीमों को चुनौती का सामना करना पड़ा। जांच में सामने आया कि बिल्डिंग के भूतल स्थित पार्किंग में खड़े वाहनों में स्पार्किंग से आग लगी और सीढ़ियों के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। इमारत में समुचित आपातकालीन निकास की व्यवस्था भी नहीं थी।

कम नहीं हो रही ट्रेनों में भीड़, दिल्ली की कई गाड़ियों में नो रूम, जनरल कोच में पैर रखना मुश्किल

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज । छठ का पर्व संपन्न होने के साथ ही परदेस वापसी की तैयारी तेज हो गई है। सोमवार से स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ और बढ़ने के आसार हैं, लेकिन रविवार को ही दिल्ली और मुंबई जाने वाली कई ट्रेनों में जगह नहीं बची। प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों को शाम से ही कतार लगानी पड़ी। लोक आस्था के महापर्व छठ की छटा अब धीरे-धीरे विदा हो रही है। पर्व मनाने के बाद सोमवार से दूसरे शहरों में कामकाज और नौकरी के लिए लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ने के आसार हैं। हालांकि, रविवार को ही महानगरों की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। दिल्ली और मुंबई मार्ग की कई गाड़ियों में आरक्षण पूरी तरह भर जाने से नो रूम की स्थिति रही। वहीं, सामान्य कोचों में भी यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिली। इससे यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वीआईपी ट्रेनों में शामिल प्रयागराज एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में रविवार को प्रतीक्षा सूची 141 तक पहुंच गई। एसी तृतीय श्रेणी में 82 और एसी द्वितीय श्रेणी में 65 तक की प्रतीक्षा सूची दर्ज की गई। अन्य प्रमुख ट्रेनों में भी सीटों के लिए मारामारी रही। वंदे भारत एक्सप्रेस के वातानुकूलित कुर्सीयान में प्रतीक्षा सूची 100 के पार पहुंच गई, जबकि शयनयान वंदे भारत के प्रथम वातानुकूलित श्रेणी में भी नो रूम की स्थिति रही। आनंद विहार की ओर जाने वाली रीवा एक्सप्रेस, नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस और सीमांचल एक्सप्रेस में भी यात्रियों को आरक्षित बर्थ पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। महाबोधि एक्सप्रेस के स्लीपर और एसी द्वितीय श्रेणी, ब्रह्मपुत्र मेल की सभी श्रेणियों तथा पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के एसी द्वितीय और तृतीय श्रेणी के कोचों में भी सीटें पूरी तरह भर गईं। आरक्षित सीटों के साथ ही अनारक्षित कोचों में भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रयागराज जंक्शन पर दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस के सामान्य कोच में चढ़ने के लिए रविवार शाम से ही यात्रियों की लंबी कतार लग गई। ट्रेन के पहुंचने पर यात्रियों को कोच में सवार होने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़वाने में मदद की। सोमवार से और बढ़ सकती है भीड़ छठ महापर्व के बाद सोमवार से नौकरी, कारोबार और पढ़ाई के सिलसिले में दूसरे शहरों में लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। ऐसे में प्रयागराज से दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में भीड़ और बढ़ सकती है। यात्रियों को आरक्षित सीटों के लिए पहले से योजना बनाने की जरूरत होगी। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए इस बार बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। यात्रियों ने इनका लाभ भी उठाया है।

हथियारों की चमक से भारतीय युवाओं को फंसा रहे पाकिस्तानी आतंकी

अनप्लग इंडिया

बरेली। बरेली पुलिस और एसओजी ने अवैध शस्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़ कर आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नेटवर्क से जुड़े चार आरोपियों को पकड़ा है। ये पाकिस्तानी हैंडलर अजमल गुर्जर के फॉलोअर बताए जा रहे हैं। पुलिस जांच में जुटी है। सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के खास गुर्गे गैंगस्टर अजमल गुर्जर के संपर्क में आए स्थानीय युवा हथियारों की चकाचौंध में खो गए थे। सुखराज उर्फ सुक्खा ने अजमल से लाइव वीडियो चैट की बात कबूली, साथ ही इसके लिए माफी मांगकर खुद को बेचारा दिखाने की कोशिश भी की। एसएसपी अनुराग आर्य ने जब आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो सुक्खा ने इंस्टाग्राम के जरिये पाकिस्तानी गैंगस्टर अजमल से करीबी और लाइव वीडियो चैट की बात कबूली। कहा कि वह न तो अपराधी है और न ही उसने किसी की हत्या या अपराध करने के लिए पिस्टल खरीदी। कहा कि उसे हथियार रखने का शौक है। इसी शौक में वह इंस्टाग्राम पर रील देखते हुए अजमल की एक रील शेयर कर बैठा। उसकी रील व वीडियो पर लाइक-कमेंट करने लगा तो एक दिन अजमल ने ही उसे कॉल कर ली। उससे कहा कि वह उसे शानदार पिस्टल केवल 1.30 लाख में दे देगा। इसके लिए उसे पाकिस्तान सीमा पर पंजाब में आना होगा। उसने अब तक केवल एक ही पिस्टल खरीदी है। बरेली दंगे में हथियार सप्लाई में जेल गया था इशरत पहलवान एसएसपी ने बताया कि बहेड़ी निवासी इशरत पहलवान हिस्ट्रीशीटर व पुराना हथियार तस्कर है। उसका नाम 26 सितंबर 2025 को बरेली दंगे में उत्तराखंड से हथियारों की सप्लाई करने वालों में प्रमुखता से आया था। तब उसे जेल भेजा गया था। अब वह जमानत पर छूट चुका है। आरोपियों से मिले इनपुट से पता लगा है कि वह दोबारा इसी धंधे में उतर आया है। एसआईटी करेगी जांच, बीस हजार इनाम की घोषणा एसएसपी ने बताया कि दो आरोपियों गुरुसेवक व अनस की तलाश की जा रही है।

जरिया पुलिस ने फरार चल रहे तीन शातिर अभियुक्तों को किया गिरफतार

हमीरपुर अनप्लग इंडिया । जरिया पुलिस ने बताया कि वादी अरुण कुमार पुत्र जयपाल राजपूत निवासी ग्राम अमूंद, जरिया ने प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि कुछ व्यक्तियों ने उनके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके बाद जरिया पुलिस ने 14 नवंबर 2026 को 3 फरार अभियुक्तों 22 वर्षीय राहुल राजपूत पुत्र रमेश्चन्द्र ,25 वर्षीय अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार सहित जबकि 26 वर्षीय संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के पास से ग्राम कछवाकला से अवैध तमंचा व कारतूस के साथ दबोचकर अदालत में पेश किया गया। जरिया थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि



अभियुक्त अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर सहित एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। जबकि अभियुक्त संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत के कब्जे से एक अदद जिन्दा व एक अदद मिस कारतूस 315 बोर बरामद किया गया, वहीं अभियुक्त राहुल राजपूत पुत्र रमेश्चन्द्र के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद खोखा व एक अदद मिस कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। जबकि अभियुक्त राहुल राजपूत का आपराधिक इतिहास-*

1.मु0अ0सं0 293/2024 धारा 115(2), 324(4), 351(2), 352 बी0एन0एस0 थाना जरिया।

2.मु0अ0सं0 32/2026 धारा 115(2), 351(3), 352 बी0एन0एस0 थाना जरिया।

3.मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्त अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार का आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्त संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत का आपराधिक इतिहास-

मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्तों को गिरफतार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई दिलीप श्रीवास्तव, कांस्टेबले निखिल यादवे, कांस्टेबल करन यादव सहित कांस्टेबल अंचल पटेरिया शामिल रहे।

झोपड़ी में मिला लापता 19 वर्षीय युवक का शव, हत्या की आशंका; पुलिस कर रही जांच

अनप्लग इंडिया



सुल्तानपुर। सुल्तानपुर में लापता 19 वर्षीय युवक का शव एक झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना मिलते ही सीओ और थाना प्रभारी ने पुलिस बल व फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार सुबह झोपड़ी के अंदर 19 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक रविवार देर रात से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तभी घर से करीब 200 मीटर दूर सामुदायिक शौचालय के पास झोपड़ी में उसका शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। घटना चांदा क्षेत्र के घूरीपुर गांव की है। मृतक की पहचान गांव निवासी अमन गौतम (19) पुत्र रामचरन के रूप में हुई है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर और चांदा थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों के अनुसार, अमन रविवार रात करीब 11 बजे घर से लापता हो गया था। देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह तलाश करते हुए परिजन सामुदायिक शौचालय के पास पहुंचे तो झोपड़ी में उसका शव पड़ा मिला। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। अमन दो भाइयों में छोटा था। उसके पिता रामचरन और बड़ा भाई अभिषेक मुंबई में रहते हैं। बेटे की मौत की खबर से मां जानकी और बहन लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मां के सामने बेटे की मौत, घाट पर करने आया था सूर्य की आराधना, करंट ने छीन ली जिंदगी

अनप्लग इंडिया

बलिया। बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव के समीप स्थित नरहरि बाबा इंटर कॉलेज के पास छठ घाट पर दर्दनाक हादसा हुआ। मां के साथ पूजा करने के लिए पहुंचे युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। छठ घाट पर आस्था और उल्लास का माहौल उस वक्त चीख-पुकार में बदल गया, जब बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से 20 वर्षीय अभिषेक यादव की मौत हो गई। मां के साथ छठ पूजा करने पहुंचे अभिषेक को इस बात की भनक भी नहीं थी कि जिस घाट पर वह भगवान भास्कर की आराधना करने आया है, वहीं उसकी जिंदगी का आखिरी पल होगा। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं बेटे की मौत की खबर से मां की दुनिया उजड़ गई। कैसे हुआ हादसा दोकटी थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव निवासी राजेश सिंह का पुत्र अभिषेक यादव सोमवार को अपनी मां के साथ गांव के समीप श्री नरहरि बाबा इंटर कॉलेज के पास स्थित छठ घाट पर पूजा करने गया था। इसी दौरान अचानक उसका हाथ वहां स्थित बिजली के पोल से छू गया। पोल में करंट उतरने के कारण अभिषेक उसकी चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना तेज था कि उसे संभलने का मौका तक



नहीं मिला और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते पूजा की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभिषेक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस घर में छठ पर्व की तैयारियां और खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा है। मां के साथ पूजा करने निकले बेटे का इस तरह साथ छूट जाना पूरे गांव को झकझोर गया। बैरिया क्षेत्राधिकारी आलोक गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

अनप्लग इंडिया



बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। फखरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में तीनों युवकों की मौत हो गई। मृतक आपस में करीबी रिश्तेदार थे और रोजगार के सिलसिले में अपनी दुकान पर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश शुरू कर दी है। दुकान जाते समय चौपाल सागर के पास हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, रिसिया थाना क्षेत्र के ग्राम जमाल टेपरा निवासी रामकिशुन (18 वर्ष), मुकेश (23 वर्ष) और रामू (25 वर्ष) सोमवार सुबह एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से निकले थे। मृतक रामू के भाई रमेश ने बताया कि तीनों युवक फखरपुर कस्बे में स्थित अपनी साइकिल की दुकान पर काम करने जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हाईवे पर स्थित 'चौपाल सागर' के समीप पहुंची, सामने से आ रही या बगल से गुजर रही एक बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे, जिससे वे गंभीर रूप से लहूलुहान हो गए। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने किया मृत घोषित हादसे के बाद हाईवे पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही हाईवे चौकी प्रभारी हेमंत सिंह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो गंभीर घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से और तीसरे घायल को एक ऑटो के जरिए आनन-फानन में जिला अस्पताल स्थित मेडिकल कॉलेज भिजवाया। हालांकि, मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. राजेश सोनकर ने गहन जांच के बाद तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हेलमेट न होने से सिर में आई गंभीर चोटें पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बाइक सवार तीनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरने से तीनों के सिर में बेहद गंभीर चोटें आईं, जो उनकी मौत का मुख्य कारण बनीं। घटनास्थल पर मिले मृतकों के मोबाइल फोन की मदद से पुलिस ने उनके परिजनों को इस हृदयविदारक घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही बदहवास परिजन रोते-बिलखते हुए मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां शवों को देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। फरार वाहन की तलाश में जुटी पुलिस एक ही परिवार और रिश्तेदारी के तीन जवान युवकों की एक साथ मौत होने से जमाल टेपरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आयुष विक्रम सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फखरपुर थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी को मामले की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर:आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।



शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.



बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीग:

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।



'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण - उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र





सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.

शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

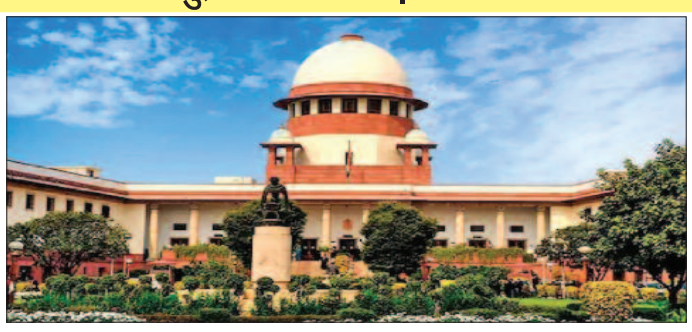
नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार



नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

● इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

● मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती



गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।

यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए



नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।
रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की



स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।

ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।
बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com